जीवन दर्शन

तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे - अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

सोमवार 14 अप्रैल, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 62 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान को घर में घुसकर...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

यूपी-बिहार सहित 17 राज्यों में अलर्ट जारी, ओले गिरने की आशंका, राजस्थान में चेतावनी

नई दिल्ली। राजस्थान समेत देशभर में मौसम ने करवट बदली है। कहीं बारिश तो कहीं अंधड़ तूफान आया है। अब एमपी, यूपी,बिहार सहित 17 राज्यों में आंधी-बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं एमपी-यूपी समेत 6 राज्यों में हीटवेव की चेतावनी है। राजस्थान में धूलभरी आंधी की चेतावनी है। दिल्ली तक असर दिख सकता है। राजस्थान में 2 की मौत हो गई। बिजली की चपेट में आने से खेत पर महिला की मौके पर ही मौत हो गई। यूपी में अगले 24 घंटे तक 47 जिलों में गर्जना के साथ बारिश हो सकती है। विभाग ओले गिरने की भी आशंका जता रहा है। बिहार में आज पटना समेत 24 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मप्र के 24 जिलों में भी बारिश की संभावना बन सकती है।

मारे गए जैश आतंकियों के पास से पाकिस्तानी सामान बरामद, हथियार मिले

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 11 अप्रैल की देर रात को हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया था। जिसके बाद से जारी सर्च ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने शनिवार को 1 एम4 राइफल, 2 एके47 राइफल, 11 राइफल, 65 एम4 गोलियां और एके47 की 56 गोलियां, साथ ही टोपी, दवाइयां, प्राथमिक उपचार सामग्री और मोजे बरामद किए हैं। दवाओं पर पाकिस्तान और लाहौर का पता लिखा है। अधिकारियो के अनुसार मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के थे। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल था। वहीं, जम्मू-जिले के अखनूर में शनिवार को एक मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ कुलदीप चंद शहीद हो गए थे। यहां शुक्रवार देर रात एनकाउंटर शुरू हुआ था। सेना ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी थी।

भारत को मिला स्टार वॉर्स जैसा स्वदेशी लेजर वेपन सिग्नल भी जाम करेगा

कुरनूल। भारत ने 30-किलोवॉट लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (DEW) Mk-II (A) सिस्टम परीक्षण किया है, जो दुश्मन के फिक्स्ड-विंग ड्रोन, स्वार्म ड्रोन, मिसाइल और जासूसी सेंसर को कुछ ही सेकंड में राख कर सकता है। इसके साथ ही भारत भी उन देशों में शामिल हो गया है, जिसके पास यह पावरफुल लेजर वेपन सिस्टम है। अभी तक यह सिस्टम केवल अमेरिका, चीन, इजरायल और रूस जैसे देशों के पास था। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बने नेशनल ओपन एयर रेंज में पर लेजर बेस्ड वेपन सिस्टम का यह परीक्षण किया गया। डीआरडीओ के चेयरमैन समीर वी कामत ने कहा कि यह केवल शुरूआत है।

अब पेट्रोल पंप चलाएंगी सहकारी समितियां-शाह

भोपाल ■

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहुंचे। रवींद्र भवन में आयोजित राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में शामिल हुए। इसके बाद मध्यप्रदेश दुग्ध संघ और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के बीच एमओयू हुआ। इस दौरान अमित शाह ने ऐलान किया है कि देश में सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंप का संचालन करेंगी। साथ ही रसोई गैस के वितरण का काम संभालेंगी।

अपैक्स समिति अब पेट्रोल पंप चलाएगी- अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं इस मंच से देशभर की सभी राज्य सरकार का अभिनंदन करना चाहता हूं। आपने मॉडल बायलॉज स्वीकार कर सहकारिता क्षेत्र में नई जान डाल दी है। अपैक्स तो एक समय केवल और केवल शॉर्ट टर्म एग्रीकल्चर फाइनेंस का काम करते थे। करीब-करीब आधे प्रतिशत का उनका मुनाफा होता था। उसकी जगह अपैक्स आज 20 से ज्यादा राज्यों में काम करते हैं। अपैक्स समितियां अब पेट्रोल पंप चलाएगी, गैस वितरण करेगी।

शाह बोले- मध्यप्रदेश के अंदर काफी संभावनाएं

सम्मेलन को संबोधित करते हुए सहकारित मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश के अंदर कृषि, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र में अधिक संभावनाएं हैं। मैं मानता हूं कि हमें हमारी संभावनाओं का शत प्रतिशत दोहन करने के लिए ढेर सारा काम करने की जरूरत है। सालों पुराना सहकारिता आंदोलन धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा था। पूरे देश के सहकारिता आंदोलन को देखें तो बहुत संतुलित हो गया था। कुछ राज्यों में सहकारिता आंदोलन आगे बढ़ चुका।

भारत में मॉडल बायलॉज को स्वीकार किया गया

आगे शाह ने कहा कि आज भी सहकारिता राज्य का विषय है। भारत सरकार राज्य की सूची में कोई बदलाव नहीं कर सकती, लेकिन टैक्स को पुनर्जीवित करना, डेयरी क्षेत्र को बढ़ाना, उत्पादन के क्षेत्र में सहकारिता को ले जाना, अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक, जिला सहकारी बैंक और ग्रामीण बैंकों के सुचारू व्यवस्थापन का सारा काम कैसे होगा।

कई पत्रकार अटकलें लगा रहे थे

गृहमंत्री ने बताया कि मंत्रालय में सबसे पहले मॉडल बायलॉज बनाए और उसे सभी राज्य सरकारों को भेजें। कई पत्रकार अटकलें लगा रहे थे कि मॉडल बायलॉज राजनीति की भेंट चढ़ जाएगा। कई गैर भाजपा शासित राज्य बायलॉज स्वीकार नहीं करेंगे। मैं कहना चाहता हूं कि संपूर्ण भारत में मॉडल बायलॉज को स्वीकार किया गया है। जब आपकी नीयत ठीक हो, श्रम करने की वृद्धि हो तो नतीजे भी ठीक हो जाएंगे।

तमिलनाडु गवर्नर के जय श्री राम नारे पर हंगामा

चेन्नई ■

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने मदुरै में एक कॉलेज इवेंट में छात्रों से 'जय श्री राम' का जयकारा लगाने को कहकर विवाद खड़ा कर दिया है। शनिवार को मदुरै में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रवि ने अपने संबोधन के आखिर में छात्रों से जयकारा लगाने के लिए कहा।

तमिलनाडु के गवर्नर का यह वीडियो के सामने आने के बाद सभी पार्टियों ने उनकी आलोचना की है। कहा जा रहा है कि तमिलनाडु राज्य समान स्कूल प्रणाली मंच (एसपीसीएसएस) ने उन पर संवैधानिक शपथ का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है और उन्हें तत्काल पद से हटाने की मांग की है। वेलाचेरी से कांग्रेस विधायक जेएमएच हसन मौलाना ने कहा कि आरएन रवि संवैधानिक पद पर हैं। उन्हें ऐसे काम शोभा नहीं देते। रवि किसी धार्मिक नेता की तरह बोल रहे हैं। वे आरएसएस और भाजपा के प्रचार मास्टर बन गए हैं। तमिलनाडु राज्य समान स्कूल प्रणाली मंच ने राज्यपाल रवि पर तमिलनाडु के शैक्षणिक ढांचे और सांस्कृतिक संदर्भ के बारे में अनभिज्ञ रहने का भी आरोप लगाया।

आकाश आनंद ने मायावती से मांगी माफी, कहा-अपने रिश्तेदारों से सलाह नहीं लूंगा

लखनऊ ■

बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती की ओर से आकाश आनंद को पार्टी से निकाले जाने के महीनेभर से अधिक का वक्त गुजर जाने के बाद भतीजे ने अब माफी मांगी है. आकाश ने यह भी कहा कि मैं अपने किसी भी राजनीतिक फैसले के लिए अपने किसी रिश्तेदार से कोई सलाह मशविरा नहीं लूंगा. साथ ही उन्होंने पार्टी में फिर से शामिल किए जाने के अनुरोध किया. आकाश की ओर से माफी मांगे जाने के बाद पार्टी ऑफिस में उनकी फिर से शामिल कराए जाने को लेकर बैठक हो रही है.

पिछले महीने की शुरूआत में मायावती ने सख्त फैसला लेते हुए

आकाश आनंद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने लंबे चौड़े पोस्ट में मायावती से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी है. उन्होंने कहा, बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी की चार बार रहीं मुख्यमंत्री बहन कु. मायावती को मैं अपना दिल से एकमात्र राजनीतिक गुरु और आदर्श भी मानता हूं. उन्होंने आगे कहा, आज मैं यह प्रण भी लेता हूं कि बहुजन समाज पार्टी के हित के लिए मैं अपने रिश्ते-नातों को खासकर अपने ससुराल वालों को कतई भी बाधा नहीं बनने दूंगा.

वक्फ कानून पर बंगाल में हिंसा:धुलियान से 500 लोगों का पलायन, मालदा के स्कूल में शरण ली

आरोप- घर जलाए, पानी में जहर मिलाया

मुर्शिदाबाद ■

वक्फ कानून के विरोध में शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। गाड़ियां जलाईं, दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 15 पुलिसकर्मी घायल हैं। 150 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में 10 अप्रैल से हिंसा जारी है। केंद्र सरकार ने हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान

तैनात किए हैं। इनमें 300 बीएसएफ जवान हैं। कुल 21 कंपनियां तैनात की गई हैं। हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बैन है। बीएनएस की धारा 163 भी लागू है। इधर, मुर्शिदाबाद के धुलियान से करीब 500 लोग पलायन कर गए हैं। इन सभी ने नदी पार मालदा के वैष्णवनगर में एक स्कूल में शरण ली है। इन लोगों का आरोप है कि उनके घरों में तोड़फोड़-आगजनी की गई। पीने के पानी में जहर मिला दिया गया है। ये किसी तरह बीएसएफ की मदद से वहां से बचकर आए हैं। वहीं, नए वक्फ कानून को लेकर दिल्ली में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति ने एक बैठक की। वहीं अक्टक्ट चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने आज कहा- वक्फ कानून असंवैधानिक है। इखढ वक्फ बोर्ड पर कब्जा करना चाहती है। वक्फ कानून से किसी की भलाई नहीं होगी।

सुवेंदु अधिकारी ने हिंसा की जांच एनआईए से कराने की मांग की

पश्चिम बंगाल में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें केंद्रीय बल की तैनाती और हिंसा की जांच एनआईए से कराने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के आदेश दिए।

आतंकी राणा के वॉयस सैंपल लेगी एनआईए

नई दिल्ली। तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रविवार को तीसरे दिन पूछताछ करेगी। 2008 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल लिए जा सकते हैं। एनआईए पता लगाएगी कि क्या तहव्वुर नवंबर 2008 के हमलों के दौरान फोन पर निर्देश (इंस्ट्रक्शन) दे रहा था। वॉयस सैंपल लेने के लिए तहव्वुर की सहमति जरूरी होगी। मना करने पर एनआईए कोर्ट जा सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनिवार को एनआईए की पूछताछ में एक 'कर्मचारी बी' का नाम आया है, इसने राणा के कहने पर हेडली के लिए ऑपरेशन और लॉजिस्टिक में मदद की थी। अब एनआईए राणा और 'कर्मचारी बी' को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ करेगी।

नौ आईएएस के ट्रांसफर: एमपी में चार जिलों के कलेक्टर बदले

उज्जैन कलेक्टर को हटाया, अब सिंह को कमान

भोपाल ■

राज्य सरकार ने प्रदेश के नौ आईएएस अधिकारियों के नवीन पदस्थापना आदेश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से जारी आदेश में नौ आईएएस अधिकारियों के ट्रांसफर किए गए हैं। इसमें चार जिले उज्जैन, अशोकनगर, हरदा और विदिशा के कलेक्टर बदले गए हैं। आदेश के अनुसार संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एवं पदेन अपर सचिव (विधि एवं विधायी कार्य विभाग) को अपर सचिव, श्रम विभाग के साथ-साथ मध्यप्रदेश भवन एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल तथा असंगठित शहरी/ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल, भोपाल का अतिरिक्त प्रभार

सौंपा गया है। इसके अलावा उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह को हटा कर अपर सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग भोपाल भेजा गया है।

आदित्य सिंह को अशोकनगर की कमान

वहीं, अशोकनगर कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी को हटा कर सामान्य प्रशासन विभाग में अपर सचिव पदस्थ किया गया है। वहीं, कलेक्टर हरदा आदित्य सिंह को स्थानांतरित कर कलेक्टर अशोकनगर बनाया गया है। विदिशा कलेक्टर रोशन सिंह को उज्जैन कलेक्टर और भोपाल अपर कलेक्टर सिद्धार्थ जैन को कलेक्टर हरदा पदस्थ किया गया है।

अंशुल गुप्ता विदेशा कलेक्टर बने

इसके अलावा जनसंपर्क विभाग के संचालक और मध्य प्रदेश माध्यम के कार्यपालक निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे अंशुल गुप्ता को कलेक्टर विदिशा बनाया गया है। वहीं, इंदौर की अपर कलेक्टर ज्योति शर्मा को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास नियुक्त किया गया है। देवास जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति को मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम, इंदौर का कार्यकारी संचालक बनाया गया है।

इंदौर कलेक्टर को सिंहस्थ मेला का अतिरिक्त प्रभार

आदेश में जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल के मुख्य कार्यालय अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ सिंहस्थ मेला उज्जैन के मेला अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके अलावा राज्य योजना आयोग के सदस्य सचिव एवं आर्थिक एवं सांख्यिकी आयुक्त ऋषि गर्ग को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

चीन की अपील- अमेरिका रेसिप्रोकल टैरिफ पूरी तरह खत्म करे: कहा-

जिसने शेर के गले में घंटी बांधी वही खोले, अमेरिका अपनी गलती सुधारे

वॉशिंगटन ■

चीन की कॉमर्स मिनिस्ट्री ने रविवार को अमेरिका से अपील की है कि वो रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ पूरी तरह से रद्द कर दे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कल ही स्मार्टफोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स इक्विपमेंट्स को टैरिफ के दायरे बाहर किया है।

चीनी मंत्रालय ने कहा- शेर के गले में बंधी घंटी को सिर्फ वही इंसान खोल सकता है जिसने उसे बांधा है। हम अमेरिका से अपील करते हैं कि वह अपनी गलतियों को सुधारने के लिए एक बड़ा

कदम उठाए। रेसिप्रोकल टैरिफ की गलत प्रथा को पूरी तरह से रद्द करे और आपसी सम्मान के रास्ते पर लौट आए। चीन ने कहा कि वो अभी इलेक्ट्रॉनिक्स सामान को टैरिफ के दायरे से बाहर रखने के फैसले का मूल्यांकन कर रहा है, क्योंकि अभी भी ज्यादातर चीनी सामान पर 145% टैरिफ लग रहा है। शुक्रवार को चीन ने अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर टैरिफ 84% से बढ़ाकर 125% कर दिया था, जबकि अमेरिका ने चीनी प्रोडक्ट्स पर टैरिफ बढ़ाकर कुल 145% कर दिया था। इस बीच, चीन ने बाकी देशों से भी ट्रम्प की आर्थिक धौंस के खिलाफ एकजुट होने का अपील की है। चीन के कॉमर्स मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कहा था कि अगर अमेरिका चीन के हितों का उल्लंघन करना जारी रखने पर अड़ा रहता है, तो चीन मजबूती से जवाबी हमले करेगा और अंत तक लड़ेगा।

व्यंग्य : 'एक हैं तो सेफ हैं ' : देश के हिंदू - मुस्लिम सभी समझें..?

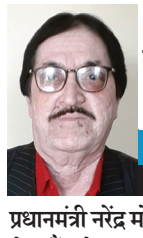

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'एक हैं तो सेफ हैं' जो मूल मंत्र कहा गया है उसे गहराई से समझने की जरुरत भारत के हर धर्म के नागरिकों की है, क्योंकि ' एकता में ही शक्ति है ' और आपसी लड़ाई में दुश्मन देशों को मौका मिलेगा और मिलने लगा है, प्रमाण है पश्चिम बंगाल में वक्फ बिल के विरोध में हुई हिंसा में बांग्लादेशी कट्टरपंथी युवाओं द्वारा उत्पात मचाना. स्पष्ट है कि गलत लोग एक्टिव हो गए हैं..?

' एक हैं तो सेफ हैं ' वक्फ मामले में बांग्लादेशी विरोध के खतरे से भी समझें..?

वक्फ संशोधन बिल अब कानून बन चुका है और इसके विरोध में अनेक याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लग चुकी हैं. 16 अप्रैल को सुनवाई भी है. कोर्ट के फैसले के पूर्व हो रहे विरोध प्रदर्शन में यदि हिंसा हो रही है तो देश के गरीब, वंचित मुसलमानों को भी एकजुट होकर गंभीरता से सोचना होगा कि कौन हैं वे लोग जो अपनी ही कौम के लोगों के हितों को नुकसान पहुंचा रहे हैं. क्या वे भू माफिया हैं जो वक्फ की संपति पर कब्जा कर अपना हित साधना चाहते हैं. धर्म के नाम पर ठेकेदार बन कोई अपना ही लाभ तो नहीं देख रहा है. वोटों की राजनीति करने वाले नेताओं के बारे में भी सोचना होगा. यदि मोदी सरकार कह रही है कि गरीब, वंचित मुस्लमानों को व महिलाओं को लाभ दिया जाएगा तो उस पर भरोसा करना चाहिए और सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से पहले सोचना चाहिए कि अभी हिंसा क्यों हो रही है.. क्यों पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में तीन मौत हो गई, आगजनी हुई. हाई कोर्ट को कहना पड़ा कि फोर्स तैनात की जाए. खुफिया विभाग कह रहा है कि कट्टरपंथी बांग्लादेशी युवा एक्टिव हो गए हैं तो इन्हें भारत के वक्फ कानून से क्या लेना, लेकिन साफ है कि दंगे फसाद में ऐसे ही लोग

लाभ लेते हैं.पश्चिम बंगाल में नए वक्फ कानून को लेकर मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं. इस हिंसा में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए हैं. पश्चिम बंगाल एक बार फिर इस्लामिक आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश की गतिविधियों का केंद्र बनता जा रहा है. खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, जे एम बी ने राज्य के सात सीमावर्ती जिलों में अपने स्लीपर मॉड्यूल को दोबारा सक्रिय करना शुरू कर दिया है, जिसमें अवैध मदरसों से युवाओं की भर्ती की जा रही है.मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कह रही हैं कि वे कानून नहीं लागू होने देंगी, यह सब वोट की राजनीति है, उन्हें भी गरीब मुस्लिम हितों से कुछ लेना देना नहीं है और ऐसा ही रुख कांग्रेस व अन्य मुस्लिम संगठनों का है. भू माफिया अपना लाभ चाहते हैं. कुल मिलाकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से पूर्व ही हिंसा होना निहायत गलत लोगों की सोच का नतीजा है. कानून संविधान के हिसाब से गलत होगा तभी रद्द होगा इसलिए फैसले का इंतजार करें और गरीब मुस्लिम एकजुट रहकर बहकावे में नहीं आएं तो ही बेहतर होगा..?

मुंबई ने जीता रोमाचंक मुकाबला, दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हराया

नई दिल्ली ■

मुंबई इंडियंस ने रविवार को रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हरा दिया। 19वें ओवर में मुंबई ने दिल्ली के 3 बैटर्स को लगातार गेंदों पर रनआउट किया और मैच जीत लिया। इस ओवर में आशुतोष शर्मा, कुलदीप यादव और मोहित शर्मा आउट हुए।

रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली ने बॉलिंग चुनी। मुंबई ने 5 विकेट खोकर 205 रन बनाए। तिलक वर्मा ने फिफ्टी लगाई। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स 19 ओवर में 193 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। करुण नायर ने 40 गेंद पर 89 रन बनाए। कर्ण शर्मा को 3 विकेट मिले। दिल्ली कैपिटल्स को 12 गेंद पर 23 रन चाहिए थे। यहां जसप्रीत बुमराह बॉलिंग करने आए। आशुतोष शर्मा ने बुमराह के खिलाफ शुरूआती 3 गेंदों पर 2 चौके लगा दिए।

भारतीय पत्रकारिता महोत्सव में एआई के गुण -दोष और परिवर्तन - 2047 पर हुई बैबाक बातें

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

एक बहुत ही गरिमामय एवं भव्य समारोह में स्टेट प्रेस क्लब.म. प्र. का 17 वा तीन दिवसीय भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का शुभारंभ हुआ। पहले दिन तीन सत्र हुए और हर सत्र में देशभर से आए मीडियाकर्मियों और विद्वान वक्ताओं ने एआई के गुण - दोष और परि वर्तन -2047 थीम पर बैबाकी के साथ अपनी बात कही। उद्घाटन सत्र शुरू होने के पहले ही जाल सभागृह का परिसर देशभर से आए मीडियाकर्मियों, इंफ्लूयंसर, शिक्षाविदों और शोधार्थी छात्र - छात्राओ से भर गया था। भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का शुभारंभ भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, वरिष्ठ उपेन्द्र राय, भाजपा के मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, स्टेट प्रेस क्लब म. प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, सचिव सुदेश तिवारी, नवनीत शुक्ला, रचना जौहरी ने दीप प्राजवलन से किया।

पहले सत्र की शुरूआत एआई की आंधी और भविष्य विषय से हुई। इस विषय पर बोलते हुए वरिष्ठ पत्रकार और भारत एक्स्प्रेस के सीएमडी उपेन्द्र राय ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को मैं एक प्रतिशत भी खतरे के रुप में नहीं देखता हूं। एआई की वजह से हिन्दुस्तान से अगर एक करोड नौकरियां जायेगी तो 95 करोड और आयेगी ही। अगर पत्रकारिता में नौकरियाँ जायेगी भी तो एंकर की जायेंगी, कंटेंट क्रियेटर की नहीं. भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारिता का एआई से तालमेल बनाना बेहद जरूरी है। एआई और पत्रकारिता का तालमेल इस पेशे को और बेहतर बनाएगा। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचोरी ने पत्रकार और राजनेताओ की समानता पर कहा कि पत्रकारों का इम्तिहान भी हर दिन होता है। नेताओं का पांच साल में एक बार चुनाव के दौरान इम्तिहान होता है। संत विनोबा भावे कहते हैं थमार्मीटर बुखार इसलिये नाप लेता है कि उसमें बुखार नहीं होता है। पत्रकारिता के सप्तऋषियों से मेरे आत्मीय रिश्ते रहे हैं। मैं कह सकता हूं जहां ए आई की उपयोगिता है तो वहाँ इसके उपयोग में संजीदगी और एहतियात भी बरतना होगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आज भारत, भारतीय संस्कृति भी शक्ति भूली हुई है, अब उसे भी धीरे- धीरे वह शक्ति और संस्कृति याद आ रही है। भारत की उस सुप्त चेतना को जागृत करने में पत्रकारिता याद दिलाए। उन्होंने आगे कहा कि आज से 65 वर्ष पूर्व विश्व का मानव चंद्रमा पर गया था आज हम यहाँ एआई पर चर्चा कर रहे हैं। एआई समस्याओं का

समाधान भी लेती है। महत्व इस बात का है कि इंटेलिजेंस को प्रयोग करने वाला कैसा होगा। टेक्नालॉजी बदलती है तो दुनिया कैसे बदलती है इसका हम 25-25 साल का विश्लेषण करें तो उस दौर में भारत कहीं भी दिखाई नहीं पड़ता है। एटम बम वाले दौर में हम पीछे खड़े थे। 1950-75 में स्पेस एज में (इसरो) हम दिखने लगे थे। 1975 -2000 में सिलीकान वेली में उभर रहे थे। माइक्रोसॉफ्ट ने बैंगलुरु में कार्यालय बनाया। उन्होंने आगे कहा कि एआई के टूल्स कोमैं एआई का अवेकनिंग इंडिया का जागरण का समय मानता हूं। पत्रकारिता में लोकतंत्रीकरण हो रहा है। इंटलेक्चुअल वर्ग पर उसका प्रभाव पड़ने लगा। दूसरे विचार को वर्ष 2014 में स्थान मिलना शुरू हुआ। मीडिया का लोकतंत्रीकरण हो रहा है। एआई नए डायमेंशन में ले जाएगी । एआई के लिए मोदी सरकार ने दस हजार करोड़ रु का प्रावधान किया है जिसमे से 500 करोड़ रुपये एजुकेशन में रखा गया है। रियल टाईम में भाषा की लड़ाई को चैलेंज बनकर उभरेगा।

रेस में बने रहने के लिए आपको अपने अंदर परिवर्तन लाना होगा

नई नौकरिया शुरू होंगी, इनका बेसिक आधार बदलने लगेगा। आने वाले दिनों में ज्यादातर जॉब प्रोजेक्ट पर फोकस वाले होंगे। नौकरी को लेकर होने वाली राजनीति दो दशक में बदल जाएगी। न्यूज 18 की एंकर सुदेश नैन ने कहा कि पत्रकारिता में एआई से आया परिवर्तन कामयाबी के रास्ते ही खोलेगा। जो लोग पहले से फील्ड में हैं उनके लिए थोड़ा तकलीफदेह हो सकता हैं। लेकिन हर उम्र- वर्ग के लोगों को इसे सीखना ही होगा। यह एआई की रेस हैं, इस रेस में बने रहने के लिए आपको अपने अंदर परिवर्तन लाना होगा। वरिष्ठ पत्रकार दिनेश के वोहरा ने कहा कि मैं युवाओं से कहना चाहता हूं कि खुद पर भरोसा रखें, आपके पास डिग्री हो न हो स्किल जरुर होनी चाहिए। जिंदगी में हमेशा बदलाव होंगे, बदलाव को अपनाकर उसके साथ चलना होगा। खुद को कभी भी अंडरएस्टीमेट न करें, जो लोग आज आपके साथ नहीं है, वो कुछ समय बाद आपके लिए तालियां बजायेंगे। जीतने वाला वो नहीं जो कहता हैं, वो हैं जो करता हैं। आपके जीवन के अभिनेता आप ही हो। एआई और हममें अंतर इतना ही हैं कि जो उसमें फीड नहीं किया जाता, एआई वो सोच भी नहीं सकता। एआई मनुष्यों से ताकतवर कभी भी नहीं हो सकता है, एआई अगर गब्बर हैं तो हम खुद को जय और वीरू क्यूं नहीं बना लेते है।अतिथियों ने स्टेट प्रेस क्लब म. प्र. का एआई पर आधारित ऐप स्क्रू मीडिया ऐप का विमोचन किया। यह देश का पहला ऐसा ऐप है, जिसे स्टेट प्रेस क्लब म. प्र. ने बनाया। इसकी खासियत यह है कि इस से आप लाइव रिपोर्टिंग के बीच जो कहेगे उसे यह उसी पल टेक्स्ट में बदल देगा। ना टाइपिंग करना और ना डेडलाइन की चिंता। यह एप फेक न्यूज का सच भी सामने ला देगा।

एआई को रेगुलेट करने के लिए सबसे पहला कानून चीन ने बनाया

अतिथि स्वागत अजय भट्, सोनाली यादव, आकाश चौकसे ने किया।अशोक बड़जात्या, सुदेश गुप्ता, कुमार लाहोटी ने प्रतिक चिन्ह प्रदान किये। कार्यक्रम का संचालन आलोक वाजपेयी ने किया। आभार माना संजीव श्रीवास्तव ने।अंतिम सत्र का विषय ए आई और चुनाव था। एनडीटीवी के पोलटी कल एडिटर हिमांशु शेखर ने कहा कि एआई को रेगुलेट करने के लिए सबसे पहला कानून चीन ने बनाया। भारत भी इस दिशा में कार्य कर रहा है। पुराने कानूनों को बदला भी जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सोशल मीडिया पर सरकार को लाने का काम मोदी सरकार ने किया। आज प्रधानमंत्री का अपना स्वय का ट्विटर एकाउंट है और वे अपनी सरकार की कई बाते ट्वीट करके देते है।पंजाब केसरी के वरिष्ठ पत्रकार मुकेश मीणा ने कहा कि चुनावों में एआई टूल्स का उपयोग बढता ही जा रहा हैं। साथ ही इसके नुकसान, नेगेटिव एक्स्पेक्ट भी सामने आ रहे हैं, बडे पॉलिटिशियन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बढ -चढकर इस्तेमाल कर रहे हैं। कुछ स्थितियों में सम्भलकर रहने की जरुरत हैं। मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार विवेक अग्रवाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वो हैं जिसके पास अपनी समझ, अपनी बुद्धि नहीं हैं, यह नाम ही गलत हैं। नाम सही तब होगा, जब एआई खुद अपनी बुद्धि से सोचेगा, और हमें आगे बढ़ाने में मदद करेगा।हमें अपने बच्चों को सीखाना होगा कि नौकरी मांगने के बजाय नौकरी देने वाले बनें।

पेड़ों को बचाने के लिए एक मंच पर आए राजनीतिक दल, बड़ी संस्थाएं भी पहुंची

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के पर्यावरण प्रेमियों ने पेड़ों की कटाई के विरोध में बड़ा प्रदर्शन किया। रीगल चौराहे पर बनाई गई मानव श्रंखला में शहर के राजनीतिक दलों ने भी एकजुटता दिखाई। इंदौर की बड़ी संस्थाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और शहर के प्रबुद्धजन शामिल हुए। सभी ने एक सुर में कहा कि पेड़ों की कटाई को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूरा शहर भट्टी की तरह तप रहा है, तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। बारिश के दिन कम हो रहे हैं और भूमिगत जल खत्म हो रहा है। प्रदूषण में पूरा शहर घिरा हुआ है। इन सभी बातों से परेशान लोगों ने आज मानव श्रंखला बनाकर सरकार को सीधे चेतावनी दी कि यदि अब पेड़ों की कटाई की गई तो बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा। आ?ोजन में जनहित पार्टी, कांग्रेस, आप, कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकताओं ने भाग लिया। सेवा सुरभि, अभ्यास मंडल, इंदौर इनिशिएटिव, मालव मंथन, यूथ होस्टल, बस्ती फाउंडेशन, जीवन प्रवाह समेत कई संस्थाएं पहुंचीं।

हुकुमचंद मिल के प्रोजेक्ट को रोकने की मांग

जनहित पार्टी के संस्थापक अभय जैन ने कहा कि हुकुमचंद मिल में प्राकृतिक वन है और पांच हजार से अधिक प्राचीन वृक्ष और सैकड़ों पशु पक्षी हैं। वहां पर किसी तरह का कोई प्रोजेक्ट नहीं आना चाहिए। जो भी प्रोजेक्ट लाया जा रहा है उसे तुरंत निरस्त करें वरना बड़े जन आंदोलन के लिए तैयार रहें। कांग्रेस के राहुल निहोरे ने कहा कि सरकार जनता को जीने के लिए शुद्ध हवा, पानी भी नहीं दे रही। जनता की सांसे भी छीन रही है। जनता जाग रही है और अब यह सहन नहीं करेगी।

पद्मश्री पलटा और मोंढे ने कहा बस बहुत हुआ- पद्मश्री जनक पलटा और पद्मश्री भालू मोंढे ने कहा कि इंदौर को बचाने के लिए प्रकृति की रक्षा करना ही सर्वोपरी है। अब शहर में एक भी पेड़ कटा तो उसकी भरपाई नहीं हो सकती।

बुद्धिजीवी बोले यह शहर की बबार्दी की शुरूआत

एसएल गर्ग, डीके वाघेला, ओपी जोशी, अशोक गोलाने, अजय लागू, संदीप खानवलकर, प्रमोद नामदेव, चंद्रशेखर गवली, उज्जवल स्वामी और अखिलेश जैन समेत कई बुद्धिजीवी भी शामिल हुए। सभी ने कहा कि यह शहर की बबार्दी की शुरूआत है। इसी तरह चलता रहा तो इंदौर में जीवन दूभर हो जाएगा।

बड़ी संख्या में आए युवा...

प्रणीता दीक्षित, भावना अहलुवालिया, जयश्री सिक्का ने कहा कि हमारे धर्म में प्रकृति को ही ईश्वर माना गया है। इसके बावजूद प्रकृति का विनाश सोच से परे है। आयोजन में बड़ी संख्या में कालेज के छात्र और बच्चे भी शामिल हुए।

इंदौर आबकारी विभाग की अवैध मदिरा के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई

सवा लाख रुपए से अधिक कीमत की विभिन्न प्रीमियम ब्रांडों की अवैध विदेशी मदिरा जप्त

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर आशीष सिंह के आदेश के पालन में इंदौर आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी, कंट्रोलर देवेश चतुवेर्दी तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती प्रीति चौबे के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग के अमले ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है।

मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को साक्ष्य नष्ट

करने का कोई मौका नहीं दिया। इंदौर के अमितेश नगर और पॉश इलाके माणिकबाग स्थित फ्लैटों पर एक साथ दबिश दी गई। इस तलाशी अभियान में विभिन्न प्रीमियम ब्रांडों की अवैध विदेशी मदिरा का जखीरा बरामद हुआ, जिसमें विशेष रूप से हाई-रेंज की बीआयओ शराब शामिल है। जप्त की गई मदिरा में 06 बोतल गोल्ड लेबल व्हिस्की, 5 बोतल ग्रे गूज वोदका, 12 बोतल जेगरमास्टर व्हिस्की, 06 बोतल रेड लेबल, 02 बोतल एब्सोल्यूट वोदका, 01 रॉयल स्टैग बैरल, 01 बोतल ब्लेंडर प्राइड और 01 बोतल जेम्सन व्हिस्की शामिल हैं। आरोपी हरप्रीत सिंह पिता सुरजीत सिंह के पास मदिरा रखने का कोई वैध लाइसेंस नहीं पाया जाने से कुल 27 बल्क लीटर अवैध मदिरा, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 36 हजार है, को आबकारी विभाग ने जप्त कर लिया है। आरोपी हरप्रीत सिंह को आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है। यह महत्वपूर्ण कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक वृत बंबई बाजार के राजेश तिवारी द्वारा की गई। इस सफल अभियान में उप निरीक्षक बी डी अहिरवार और आरक्षक मनोज खरे, मोहित रैकवार एवं मोहित काछवा का सराहनीय योगदान रहा। आबकारी विभाग अवैध मदिरा के कारोबार के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेगा।

नशे में दोस्त ने की थी मेट्रो कर्मचारी की हत्या, लाश को टेकरी पर फेंक दिया था, यूपी से आरोपी गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर की देवधरम टेकरी पर मिली लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। मामला हत्या का निकला। पुलिस ने उत्तर प्रदेश से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के बाद वह पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने गांव भाग गया था। आरोपी राहुल ने नशे में हुए विवाद में अपने ही दोस्त कमलेश पासवान की हत्या कर दी थी।

बता दें, नौ अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली थी कि गांधीनगर में देवधरम टेकरी के समीप एक युवक का शव पड़ा है। युवक की शिनाख्त पुलिस ने मेट्रो प्रोजेक्ट के कर्मचारी कमलेश पासवान के रूप में की थी। वह दो साल से इंदौर में था और मेट्रो प्रोजेक्ट में काम करता था। गहरे जख्म से पुलिस को आशंका थी कि उसकी हत्या की गई है, लेकिन आरोपी का सुराग नहीं लग रहा था।

शराब पीने का आदी था मृतक

पुलिस को पता चला था कि कमलेश शराब पीने का आदी था। जिस दिन उसकी हत्या हुई, उस दिन भी उसने शराब पी थी। इस आधार पर पुलिस ने उसके दोस्तों की जानकारी जुटाई। पुलिस को पता चला कि उसका दोस्त राहुल घटना के बाद से इंदौर से गायब है। उस पर शंका हुई। तकनीकी जांच में पता चला कि घटना वाले दिन वह कमलेश के साथ था और हत्या के बाद वह उत्तर प्रदेश में अपने पैतृक गांव चला गया। इसके बाद इंदौर पुलिस ने उत्तर प्रदेश जाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। उनसे बताया कि उसने कमलेश के साथ शराब पी थी। दोनों के बीच विवाद हुआ तो कमलेश ने उसके साथ मारपीट की। इससे नाराज होकर राहुल ने भारी वस्तु कमलेश के सिर पर दे मारी। इससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने कमलेश का शव झाड़ियों में फेंक दिया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जलियांवाला बाग नरसंहार स्मृति दिवस पर अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जलियांवाला बाग नरसंहार स्मृति दिवस पर सभी अमर शहीदों को शत-शत नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा है कि 13 अप्रैल 1919 को मानवता को शर्मसार करने वाला यह क्रूर नरसंहार भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का ऐसा अध्याय है, जिसने देशवासियों के हृदय में क्रांति की ज्वाला को और अधिक धधका दिया। उन्होंने कहा कि मां भारती की परतंत्रता की बेडियों को तोड़ने के लिए बलिदान हुए अमर आत्माओं को इस देश की माटी कभी विस्मृत नहीं कर सकेगी।

शादी से एक महीने पहले युवक ने लगाई फांसी मोबाइल के मैसेज देखकर चौंकी पुलिस

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के लसूड़िया क्षेत्र में एक निजी कंपनी में कार्यरत मशीन ऑपरेटर अजय चडार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अजय सिंगापुर टाउनशिप में अपने परिवार के साथ रहता था। पुलिस के अनुसार, अजय ने आत्महत्या से पूर्व एक सुसाइड नोट लिखा जिसमें उसने अपने दो सहकर्मियों को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया है। अजय की अगले महीने शादी होने वाली थी, जिससे पहले यह दुखद घटना सामने आई। पुलिस ने बताया कि घटना के समय अजय ने अपने छोटे भाई को कुछ संदेश भेजे थे, लेकिन जब तक भाई ने उन्हें देखा और घर पहुंचा, अजय फंदे पर लटका हुआ मिला।

सुसाइड नोट में व्यक्त किया दर्द...

अजय ने सुसाइड नोट में लिखा कि वह अब किसी को मुंह दिखाने के काबिल नहीं रह गया है और उसे समझ नहीं आ रहा कि वह घरवालों को क्या जवाब दे। उसने माता-पिता से माफी मांगते हुए लिखा, मम्मी-पापा मुझे माफ कर देना। अब मैं जो कर रहा हूं, उसके लिए सिर्फ और सिर्फ यही दोनों जिम्मेदार हैं। अजय की भावनात्मक स्थिति और मानसिक तनाव का अंदाजा इन शब्दों से लगाया जा सकता है, जो उसने अपने आखिरी संदेशों में लिखे।

सहकर्मियों पर लगाया साढ़े तीन लाख की ठगी का आरोप

सुसाइड नोट और मोबाइल संदेशों में अजय ने आरोप लगाया कि उनके सहकर्मी सुनील सर और जीवन सर ने उनके साथ तीन साल पहले धोखाधड़ी की थी। अजय ने लिखा कि उन्होंने उससे 3 लाख 60 हजार रुपए लिए थे और वादा किया था कि हर महीने 10 हजार रुपए लौटाएंगे। लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी उन्होंने न तो पैसे लौटाए और न ही अब फोन उठा रहे हैं। अजय ने अपने भाई को भेजे मैसेज में लिखा कि उसे जबरन विश्वास दिलाया गया कि उसका पैसा सुरक्षित है, लेकिन अब उसे कहा जा रहा है कि उसका पैसा डूब गया है।

6 मई को होने वाली थी शादी, पुलिस ने दर्ज किया मर्ग

भाई आशीष ने बताया कि वे मूल रूप से सागर जिले के निवासी हैं और हाल ही में उनके माता-पिता अजय की शादी की तैयारी के लिए सागर गए थे। अजय की सगाई हो चुकी थी और 6 मई को उसकी शादी तय थी। लेकिन इससे पहले ही यह दुखद घटना हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच के बाद दोनों आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को जन्मस्थली स्मारक महू में होगा विशाल समागम...

जयंती उत्सव में आ रहे श्रद्धालुओं की मेहमानों की तरह आवभगत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 अप्रैल को डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह पूर्ण आस्था के साथ इंदौर जिले के डॉ. अंबेडकर नगर (महू) में मनाया जायेगा। इस दिन डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली स्मारक पर बाबा साहब अम्बेडकर जी को समर्पित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समारोह के लिये श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला प्रारंभ हो गया है।

जयंती उत्सव में आ रहे श्रद्धालुओं कि मेहमानों की तरह राज्य शासन द्वारा आवभगत की जा रही है। श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, शीतल पेयजल आदि की विशेष व्यवस्था की गई है। जन्म स्थली पर

बने भव्य स्मारक पर विशेष साज-सज्जा की गई है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में डॉ. अंबेडकर नगर (महू) में जयंती उत्सव के लिये व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। बताया गया की जयंती उत्सव में 14 अप्रैल 2025 को प्रभात फेरी सहित अन्य आयोजन रखे गये हैं। अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह में अन्य प्रदेश एवं मध्यप्रदेश के अन्य क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्वालु आयेंगे। श्रद्धालुओं के आगमन का सिलसिला 12 अप्रैल की शाम से ही प्रारंभ हो गया जो निरंतर जारी है। श्रद्वालुओं के लिये निःशुल्क भोजन की व्यवस्था स्वर्ग मंदिर परिसर में की गई है। उक्त भोजन व्यवस्था 14 अप्रैल की शाम तक जारी रहेगी। आज श्रद्धालुओं को पूरी, रामभाजी, खिचड़ी, मीठी बूंदी, लौंजी आदि परोसी गई। श्रद्धालुओं के लिये 17 काउंटर बनाये गये हैं। इन काउंटरों से श्रद्धालु टोकन लेकर भोजन निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। भंतो के भोजन की व्यवस्था माहेश्वरी स्कूल में की गई है। उनके रूकने की व्यवस्था भी माहेश्वरी स्कूल में रहेगी।

शीतल जल के लिये जगह-जगह बनाये गये हैं प्याउ

श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पर्याप्त संख्या में अस्थाई शौचालयों का निर्माण भी किया गया है। श्रद्वालुओं के लिये शीतल पेयजल व्यवस्था हेतु विभिन्न स्थानों पर प्याउ का निर्माण किया गया है। अम्बेडकर जयंती के दौरान आने वाले श्रद्वालुओं के रूकने हेतु धर्मशालाओं, केन्ट बोर्ड हायर सेकेण्डरी स्कूल एवं केन्ट बोर्ड कन्या स्कूल में व्यवस्था की गई है। इसके अलावा तीन विशाल डोम भी ठहरने के लिए बनाए गये हैं। कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु कार्यक्रम स्थलों को सात सेक्टर में विभाजित किया गया है। यह सेक्टर महेश्वरी स्कूल महू, डॉ.अम्बेडकर जन्म स्थली, केन्ट प्रायमरी स्कूल, स्वर्ग मंदिर परिसर, रेल्वे स्टेशन से सात रास्ता, केन्ट बोर्ड कन्या विद्यालय तथा उत्कृष्ट विद्यालय महू में बनाये गये हैं। उक्त सात सेक्टरो में दल का गठन कर सभी विभागों के व्यक्तियों की ड्यूटी लगाई गई है। उक्त सात सेक्टरों पर मराठी भाषी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है, जिससे कि आने वाले श्रद्वालुओं को असुविधा न हो। कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु तीन स्थानों पर कन्ट्रोल रूम बनाए गये हैं। यह कंट्रोल रूम तहसील परिसर महू, अम्बेडकर जन्म स्थली स्मारक तथा स्वर्ग मंदिर परिसर में बनाये गये हैं।

फसल अवशेष (नरवाई) जलाने वालो के विरुद्ध लगातार कार्यवाही जारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले में फसल अवशेष नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में सख्त कार्रवाई की जा रही है । कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में बड़ी कार्रवाई करते हुए नरवाई जलाने पर 24 किसानों के विरुद्ध एक लाख 32 हजार रुपये का अर्थ दंड किया गया है।इसी तरह जिले में आज कुल 411 किसानो के पंचनामें तैयार किए गए हैं। इन पर भी अर्थ दंड अधिरोपित किया जाएगा।

आज जिले की समस्त तहसीलों में कुल 411 पंचनामें तैयार किए गए है। जिन पर राज्य शासन के नोटिफिकेशन प्रावधान अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा उक्त अधिसूचना अंतर्गत नरवाई में आग लगाने के विरुद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि से दण्ड अधिरोपित किया जायेगा। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिचौली हप्सी के द्वारा 24 कृषकों के विरुद्ध एक लाख 32 हजार 500 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। यह कार्यवाही आगामी दिनों में निरन्तर जारी रहेगी। जिले में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर कृषि से संबंधित मैदानी अधिकारियों एवं राजस्व विभाग के पटवारी/पंचायत विभाग के पंचायत सचिव के साथ समन्वय कर कृषक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जायेंगा तथा किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसानों से किसानों को अवगत कराया जा रहा है। किसानों से अपील की जा रही है कि नरवाई न जलाएँ, नरवाई जलाने से पर्यावरण को नुकसान होता है। किसान यदि नरवाई जलाता है तो म.प्र. शासन के नोटिफिकेशन प्रावधान अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा उक्त अधिसूचना अंतर्गत नरवाई में आग लगाने के विरुद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि दण्ड का प्रावधान निम्नानुसार निर्धारित किया गया है। ऐसा कोई व्यक्ति/निकाय/कृषक जिसके पास 2 एकड़ तक की भूमि है तो उसकों नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में रु. 2500/- प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा। ऐसा कोई व्यक्ति/ निकाय/ कृषक जिसके पास 2 से 5 एकड़ तक की भूमि है तो उसकों नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में रु. 5000/- प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा।

19 जून को सिकलसेल एनीमिया दिवस

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। नेशनल हेल्थ मिशन की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना की अध्यक्षता में आज इंदौर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कायक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में इन्दौर, आलीराजपुर, बुरहानपुर, धार, खण्डवा, खरगोन, बड़वानी एवं झाबुआ जिलों के स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक में आर.सी.एच. सेवाओं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, शहरी स्वास्थ्य कार्यकम, संजीवनी क्लीनिक की क्रियाशीलता, असंचारी रोग नियंत्रण, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम तथा सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत बेहतर एवं निम्न प्रदर्शन करने वाले जिलों से उनके प्रदर्शन के बारे में जानकारी ली गई।

गार्डन सिटी से गैस चैंबर बना इंदौर, हरियाली गई, विनाश आया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कभी बड़े बाग-बगीचों की पहचान रखने वाला गार्डन सिटी इंदौर अब प्रदूषण, गर्मी और जल संकट के लिए जाना जा रहा है। विकास के नाम पर हरियाली उजाड़ी गई, जिससे अब शहर में सिर्फ धूल और धुआं बचा है। विशेषज्ञ इसे सोचा-समझा विनाश मान रहे हैं। कुछ साल पहले तक अपनी सुंदरता और अच्छे मौसम के लिए पहचाना जाने वाला इंदौर अब रहने के लिए लोगों की पहली पसंद से हटता जा रहा है। ट्रैफिक जाम, बढ़ते अपराध, महंगी शिक्षा जैसे कारणों से इंदौर लोगों की नजर से और भी दूर हो रहा है। पहले से कई संस्थाएं और नागरिक चेता रहे हैं, लेकिन जिम्मेदारों को कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा।

इंदौर में बाजार से लेकर रहवासी इलाकों तक के नाम बाग-बगीचों पर हैं। आज यहां पर केवल ट्रैफिक जाम और धूल धुआं दिखता है। पर्यावरणविद् ओपी जोशी बताते हैं कि इमली बाजार, खजूरी बाजार, बड़वाली चौकी, पीपली बाजार के नाम वहां पर होने वाले पेड़ों की वजह से ही रखे गए। लालबाग, माणिकबाग, केसरबाग, बख्शी बाग को भी वहां की हरियाली और पेड़ों की वजह से ही ये नाम मिले। इन बागों से ही इन रहवासी इलाकों की पहचान थी। प्रकाश का बगीचा और मरीमाता का बगीचा के बीच रावला के जमींदार का किला है। इंदौर में इतने बगीचे थे कि उनकी देखरेख करने वालों के लिए माली मोहल्ला बसाया गया था। नौलखा की हरियाली के कारण ही 1850 में रेसीडेंसी एरिया को सेंट्रल इंडिया का हेड क्वार्टर बनाया गया। होलकरों की छत्रियां छत्रीबाग में और जमींदारों की छत्री चम्पा बाग में है। यह सब सूरतें अब बदल गई हैं।

कई बागों पर कॉलोनी बन गई

धार रोड पर सिरपुर, गुलाब बाग, चंदननगर, छोटे लाल का बगीचा, कृष्णबाग, रत्ना बाग, सीताराम बाग, एयरपोर्ट रोड पर सीताराम पार्क, महावीर बाग, खासगी बाग, मोहता बाग, महेश बाग, सत्य साई बाग, गणेश बाग, गंगा बाग, नंदन बाग, राजा बाग, दशरथ बाग, रोशन बाग, जाम बगीचा थे। इनमें से भी अधिकांश में अब हरियाली नहीं बची है। कई बागों की जगह पर तो कॉलोनी बन गई है।

नेहरू पार्क आधा हो गया, गांधी हॉल वीरान

शहर के बीचों बीच विस्को पार्क बनाया गया था जिसमें सैकड़ों पेड़ थे। वर्तमान में उसे नेहरू पार्क के नाम से जाना जाता है जहां अब 10 प्रतिशत भी पेड़ नहीं बचे हैं। इसके साथ ही गांधी हॉल और चिमन बाग में भी अब गिनती के पेड़ बचे हैं।

समय के साथ खो दी हरियाली

शहर के जानकार कमलेश सेन बताते हैं कि इंदौर के बागों में लाल बाग, बक्षी बाग, कैदी बाग, गोपाल बाग, रामबाग, विश्राम बाग, छत्रीबाग, माणिक बाग, केशर बाग जैसे अनेक बाग थे। शहर के जिस भी कोने में जाओ बागों की सुंदरता आपको आकर्षित कर लेती थी। आज इनमें से चुनिंदा बाग ही बचे हैं और वहां पर भी पेड़ नहीं हैं। हमने समय के साथ शहर की हरियाली खो दी और इसी का दुष्परिणाम है कि आज शहर प्रदूषण और भीषण गर्मी को झेल रहा है।

उज्जैन और देवास रोड पर भी थे खूब बाग

उज्जैन रोड पर रामबाग, नारायण बाग, शंकर बाग, सबनीस बाग, बख्शी बाग, मरीमाता का बगीचा, राधा गोविंद बगीचा, महावीर का बगीचा अपनी चमक बिखेरते थे। वहीं, देवास रोड पर महेश बाग, हीरा बाग, गुलाब बाग, पंचवटी, मुमताज बाग, राधा कृष्ण बाग, स्वर्ण बाग, तपेश्वरी बाग, शाहीबाग, अनार बाग, बाबा की बाग, दौलत बाग, छोटा शिवबाग, मसूर बाग, लाला का बगीचा, रुस्तम का बगीचा, दुबे का बगीचा और सीता बाग को देखने के लिए दूर दूर से लोग आते थे।

विधायक पुत्र की दादागिरी पर गरमाई राजनीति, कांग्रेस ने कहा-पुजारी को न्याय दिलाएंगे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

देवास टेकरी के माता मंदिर में भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष की दादागिरी को लेकर राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया है और भाजपा विधायक को घेरा है। कांग्रेस का कहना है कि इस लड़ाई में कांग्रेस पुजारी के साथ है। हम पुजारी को न्याय दिलाएंगे। कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने कहा कि सनातन धर्म खतरे में क्यों है। यह विधायक पुत्र के बेटे के कृत्य से पता चल गया।

कांग्रेस के देवास प्रवक्ता अमित चौरसिया ने कहा कि प्रदेशभर के लोगों में देवास मंदिर के प्रति आस्था है। भाजपा विधायक गोलू शुक्ला खुद ब्राम्हण परिवार से आते है और उनके बेटे ने ब्राम्हण पुजारी के साथ ही मारपीट की। उन्हे धर्म का पता होना चाहिए था कि मंदिर के पट बंद होने के बाद फिर नहीं खोले जाते, लेकिन विधायक पुत्र आए दिन इस तरह के विवाद करता है। इंदौर के खजराना मंदिर में भी वह प्रतिबंध होने के बावजूद गर्भगृह में प्रवेश करता है। यह कृत्य बताता है कि सत्ता के मद में भाजपा नेता और उनके परिवार के लोग किस तरह मनमानी कर रहे है। उन्हें नियमों और धार्मिक मान्यता का भी ध्यान नहीं रहता है। इस मामले में प्रशासनिक अफसरों ने तो चुप्पी साथ रखी है, लेकिन कांग्रेस पुजारी व उनके परिवार के साथ है और उन्हें न्याय दिलाएगी।

कांग्रेस बड़े आंदोलन की तैयारी में

कांग्रेस इस मुद्दे पर बड़े आंदोलन की तैयारी कर रही है। 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती पर कांग्रेस नेता देवास की आंबेडकर प्रतिमा पर एकत्र होंगे। वहां पुजारी परिवार को भी बुलाया गया है। इंदौर से देवास के पूर्व सांसद सज्जन सिंह वर्मा भी जाएंगे और वे पुजारी परिवार से मिलेंगे।

डॉ. डीसी राठी का सम्मान

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। शहर में आयोजित फ्यूचर एजुकेशन एम्पो-2025 में शासकीय महाविद्यालय राऊ के प्राध्यापक डॉ. डीसी राठी को उनके द्वारा युवाओं के करियर मार्गदर्शन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

आंबेडकर जयंती पर महू आने लगे अनुयायी, बाबा साहब के नाम पर मोहन सरकार करेगी योजना शुरू

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के समीप महू में संविधान निमार्ता बाबा साहेब आंबेडकर की जन्मस्थली है। यहां हर साल 14 अप्रैल को उनके अनुयायी, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों से आते हैं। उनके आने का सिलसिला रविवार से शुरू हो गया। इंदौर में भी उनकी प्रतिमा को मेयर पुष्य मित्र भार्गव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने खुद साफ किया। आंबेडकर जयंती के मौके पर प्रदेश सरकार उनके नाम पर दुग्ध उत्पादन से जुड़ी एक योजना भी शुरू करेगी।

प्रशासन का अनुमान है कि 14 अप्रैल सोमवार को महू में आंबेडकर जयंती के लिए एक लाख से ज्यादा अनुयायी आएंगे। उसके हिसाब से महू में तैयारियां कर ली गई हैं। अनुयायियों के लिए भोजन की व्यवस्था के अलावा टेंट और पेयजल और पंखे, कूलर के इंतजाम भी किए गए हैं। आंबेडकर जयंती का उत्सव 13 अप्रैल की रात से ही शुरू हो जाएगा। रात में आकर्षक आतिशबाजी होगी और बाबा साहेब को विशेष बैंड द्वारा सलामी दी जाएगी। इस कार्यक्रम को देखने के लिए भी हजारों लोग स्मारक स्थल पर जुटते हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव सोमवार सुबह दिल्ली से इंदौर आएंगे और महू में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने जाएंगे। स्मारक स्थल को भी आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। इंदौर रेलवे स्टेशन से महू तक बसों का संचालन भी किया जा रहा है। हर साल महाराष्ट्र के यवतमाल, सतारा, नासिक, मुंबई सहित कई शहरों से बाबा साहेब के अनुयायी हर साल महू आते हैं।

बारिश से भीगे गेहूं कट्टे, उपार्जन प्रभारी निलंबित, बखतगढ़ सोसाइटी का मामला

इंदौर। इंदौर संभाग के धार जिले में प्राथमिक कृषि साख समिति में गेहूं के सुरक्षित रखरखाव को लेकर लापरवाही पायी जाने पर उपार्जन प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर धार श्री प्रियंक मिश्रा ने उपार्जन केंद्रों पर तत्काल निरीक्षण और सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देशों के पालन में लापरवाही बरतने पर बखतगढ़ में प्राथमिक कृषि साख समिति के उपार्जन प्रभारी को निलम्बित कर दिया गया है। शनिवार को हुई बारिश में प्राथमिक कृषि साख समिति बखतगढ़ में खुले में रखे गए गेहूं के कट्टे भीग गए। संबंधित समिति द्वारा कट्टों को तिरपाल से ढंकने की व्यवस्था नहीं की गई थी। सहकारिता उपायुक्त वर्षा श्रीवास ने बताया कि आंधी के कारण तिरपाल उड़ गई थी और गेहूं को अगले दिन धूप में सुखा लिया गया है और किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है। लापरवाही के चलते उपार्जन प्रभारी को निर्लंबित किया गया है।

मजाक में युवक के शरीर में दोस्तों ने कंप्रेशर से भरी हवा, हो गई मौत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मजाक-मजाक में पांच दोस्तों ने कंप्रेशर से युवक के शरीर में हवा भर दी। हवा का दबाव नसें सहन नहीं कर पाई और वह फट गई। जब युवक की हालत खराब हुई तो दोस्त उसे अस्पताल में छोड़कर भाग गए। डॉक्टरों ने युवक के अंदरुनी भाग से खून बहते देखा तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घटनाक्रम का पता चला।

पालदा क्षेत्र में रहने वाला युवक मोती राम मजदूरी करता था। वह सुबह अपने पांच दोस्तों के साथ खड़ा था। सभी एक दाल

मिल में काम करते हैं। दोस्तों ने मजाक में उसके शरीर में कंप्रेशर से हवा भर दी। इससे उसकी हालत बिगड़ गई। दोस्त उसे ई रिक्शा में एमवाय अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जो युवक मोतीराम को छोड़ने आया था। वह भी भाग गया। पुलिस ने मृतक के परिवार से संपर्क किया तब मोतीराम के साथ हुई घटना की जानकारी का पता चला। पुलिस दाल मिल पहुंची और आरोपियों का पता जुटाया। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

भाई को फोन किया हादसा हो गया

मोतीराम के भाई शेरू ने बताया कि सुबह भाई से बात हुई थी, लेकिन कुछ देर बाद उसके एक साथी का फोन लाया कि मोतीराम का एक्सीडेंट हो गया है। वह एमवाय अस्पताल में है। हम वहां पहुंचे तब तक मोतीराम की मौत हो चुकी थी। मोतीराम चार माह पहले ही खरगोन से इंदौर काम के सिलसिले में आया था।

बाणगंगा मैं नशे की हालत मैं गाड़ियों पर पथराव करने वाले धराए

बाणगंगा पुलिस ने नशे की हालत में ऑटो और कारों पर पत्थर बरसाने वाले तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने उनका जुलूस निकाला और उठक-बैठक लगवाई और कान पकड़कर माफी भी मंगवाई। मामले में एक आरोपी चीकू अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। इन आरोपियों ने 5 अप्रैल की रात रेवती रेंज में वाहनों पर पत्थर फेंककर कांच तोड़े थे। ये बदमाश रेवती क्षेत्र में खुले में बैठकर नशा कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने आपत्ति की और इन्हें नशा करने से रोका था। इससे नाराज चारों बदमाशों ने उसी रात क्षेत्र में आकर कई वाहनों पर पथराव कर कांच तोड़ दिए थे।

बड़ी सौगातः नई सुपरफास्ट ट्रेन आज से शुरू

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के नागरिकों को रेलवे ने बड़ी सौगात दी है। राजस्थान और मध्य प्रदेश के पर्यटन/दर्शनीय स्थलों को बढ़ावा देने और सुगम आवागमन के उद्देश्य से रेलवे द्वारा नियमित रेल सेवा के रूप में यात्रियों को यह सुविधा दी गई है। रविवार 13 अप्रैल को डॉ. अम्बेडकर नगर एवं कोटा रेलवे स्टेशनों पर डॉ. अम्बेडकर नगर- कोटा- नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

ट्रेन नंबर 20155/20156 डॉ. अम्बेडकर नगर- नई दिल्ली- डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन का नियमित संचालन भारतीय संविधान निमार्ता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर

उनकी जन्मस्थली महू शहर के डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बीच किया जाएगा। इसी तरह कोटा से ट्रेन नं. 02055 कोटा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन और डॉ. अम्बेडकर नगर से 09355 डॉ. अम्बेडकर नगर झ कोटा स्पेशल ट्रेन का शुभारंभ किया जाएगा। डॉ. अम्बेडकर नगर-कोटा-नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मप्र, दिल्ली और राजस्थान के बीच कई क्षेत्रों में होगा फायदा

इस नई रेल सेवा के आरंभ होने से राजस्थान की शिक्षा नगरी कोटा को देश की राजधानी नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश में स्थित महाकाल की नगरी उज्जैन, मध्यप्रदेश की औद्योगिक नगरी इंदौर एवं डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। राजस्थान एवं मध्य प्रदेश राज्यों के अंतर्गत आने वाले पर्यटन एवं तीर्थ स्थलों जैसे मथुरा, उज्जैन, भरतपुर, सवाई माधोपुर, कोटा, देवास एवं इंदौर के विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे दोनों राज्यों का आर्थिक एवं सामाजिक विकास होगा। इस नई रेल सेवा की सौगात से विद्यार्थियों, व्यापारियों, किसानों एवं आमजन को सीधा लाभ पहुंचेगा। राजस्थान एवं मध्य प्रदेश राज्यों के यात्रियों को देश की राजधानी नई दिल्ली के लिए सुरक्षित एवं सुगम यात्रा के लिए सीधी ट्रेन की उपलब्धता होगी। नई ट्रेन के शुभारंभ में उद्घाटक सेवा गाड़ी संख्या 02055 स्पेशल कोटा से रविवार, 13 अप्रैल को रात 22.30 बजे प्रस्थान कर सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, भरतपुर, मथुरा एवं हजरत निजामुद्दीन होकर नई दिल्ली सुबह 05.20 बजे पहुंचेगी। नई ट्रेन के शुभारंभ में उद्घाटक सेवा गाड़ी संख्या 09355 स्पेशल डॉ. अम्बेडकर नगर से रविवार, 13 अप्रैल को रात 22.30 बजे प्रस्थान कर इन्दौर, देवास, उज्जैन, नागदा, शामगढ़, भवानीमंडी एवं रामगंजमंडी होकर कोटा सुबह 04.25 बजे पहुंचेगी। यह नई ट्रेन नई दिल्ली-डॉ अम्बेडकर नगर (महू)-नई दिल्ली के बीच नियमित रूप से 14 अप्रैल को नई दिल्ली से एवं 15 अप्रैल को डॉ अम्बेडकर नगर (महू) से चलेगी। इस गाड़ी में 1 प्रथम श्रेणी एसी, 2 द्वितीय श्रेणी एसी, 6 थर्ड एसी, 2 थर्ड एसी इकोनॉमी, 5 स्लीपर, 4 सामान्य श्रेणी, 1 एसएलआरडी एवं 1 जनरेटरकार सहित कुल 22 कोच होंगे।

सब कुछ उस परमपुरुष से आया है

किसी चीज की सृष्टि होती है जब उसे कहा जाता है सम्भूति। किन्तु जब मनुष्य कोई मौलिक वस्तु की सहायता से नई वस्तु उत्पन्न करता है तब उसे सम्भूति नहीं कहा जाता। ऐसी कुछ मौलिक वस्तुएँ हैं जिन्हे मनुष्य उत्पन्न नहीं कर सकता, किन्तु इन वस्तुओं की सहायता से से अन्य वस्तुओं को तैयार कर सकता है। इन सब वस्तुओं को कहा जाता है मौलिक पदार्थ एवं ये सभी ही सम्भूति के अन्तर्गत हैं। सम्भूति परमात्मा की एक विशेष सृष्टि है। विनाश कहने से ठीक क्या समझते हैं?।

हम इस प्रकार के तीन शब्द पाते हैं-नाश, विनाश और प्रणाश। साधारण बोलचाल में हम जिसे ध्वंस कहते है, वही हुआ नाश, जो वस्तु एक बार रुपान्तरित हो जाने पर और अब उसे पूर्वावस्था में वापस नहीं पाया जाता उसे कहते है - विनाश। उदाहरण स्वरुप, एक पॉच वर्ष का बालक पच्चीस वर्ष के तरुण में रुपान्तरित होता है। यहॉ पर विराट रुप में एक परिवर्तन हुआ। पॉच वर्ष की उम्र के तन का क्या हुआ ? - वह विनाश को प्राप्त हुआ। और जो वस्तु ध्वंस के बाद वह जो मौलिक पदार्थ उससे उत्पन्न हुई थी, उसमें ही लय प्राप्त हुआ, उसे कहते हैं प्रणाश। यहॉ भी ध्वंस हुआ है, तब वह ध्वंस अन्य प्रकार का हुआ। जैसे मान लो, आटा लिया गया और उस आटा से पूड़ी तैयार की गई। इस पूड़ी को यदि पुनः आटा में रुपान्तरित किया जाय तब तो वह प्रणाश हुआ। अन्य एक उदाहरण दिया जा सकता है। चीनी तैयार होती है गन्ने के रस से। अब चीनी को गन्ना के रस में रुपान्तरीत किया जाय तब वह होगा चीनी का प्रणाश। संक्षेप में :सम्भूति शब्द का माने हुआ मौलिक सृष्टि तथा उस प्रकार के ध्वंस को कहेंगे विनाश, जो चरम ध्वंस है तथा जिसे पुनः मौलिक वस्तु के रुप में वापस नहीं लाया जा सकता है। अब सम्भूति के सम्पर्क में विस्तृत अलोचना की जाय। जिन सब सृष्ट मौलिक वस्तु को हम विश्व-ब्रह्माण्ड में देख पाते हैं वह सब कुछ ही परमात्मा से सृजित हैं। अतएव छोटी बड़ी सभी वस्तु ही परमात्मा की सम्भूति हैं। सम्भूति या सृष्टि की कुछ धारायें हैं - जैसे, एक तरफ है जड़ जगत अन्य तरफ है उद्भिद् जगत। चेतन और अचेतन वस्तु कालक्रम में विभिन्न शाखा प्रशाखा में विभक्त हो गई हैं और ये सभी विभाग भी परमात्मा की सृष्टि हैं।

उनको अवतार भी कहा जा सकता है। जब परम पुरुष स्वयं किसी जड़ वस्तु में वर्तमान हैं, तब उस जड़ वस्तु को परम पुरुष का अवतार कहा जाता है। परमात्मा की सृष्टि कितनी वैचित्र्यपूर्ण है ! हरेक वस्तु में कितना अन्तर है। ऐसा कि, उद्भिद जगत में भी कोई उद्भिद् अत्यन्त ही उन्नत है और कोई उद्भिद् एकदम अनुन्नत है। जीवकोटि की उन्नति होती है सांस्कृतिक और मानसिक प्रतिक्रिया के फल से। उदाहरण स्वरुप, आज के बुध्दि विवर्जित मनुष्य की भी एक दिन विवर्तन धारा में क्रमशः उन्नति होगी ही। इसके लिए कभी भी कोई चिन्ताग्रस्त होने का कोई कारण नहीं है। परमपुरुष जिनके सहायक हैं वे एकदिन परमपुरुष में मिल कर एक हो जायेंगे। जीवकोटि की तरह सृष्टि के अन्यान्य विभाग समूह परमपुरुष से उद्भूत है। तुम्हारा दैहिक सामर्थ्य, तुम्हारी सभी बौध्दिक तथा आत्मिक शक्ति - यह सभी तुम्हारी अपनी नहीं है। यह सब कुछ भी आया है उस परमपुरुष से। तुम जो भी हो, इसकी भी एक सीमा है। शक्ति का उत्स हैं परमपुरुष। जीवनकोटि में इस तरह का विकाश एक विशेष सीमा तक सम्भव है। प्राणी के उन्नति की सीमा सीमित है। इसके लिए उनको जीवकोटि कहा जाता है यहीं पर पार्थक्य है। मान लो, कोई मनुष्य अनुशीलन के द्वारा अपनी शारीरिक शक्ति की उन्नति कर रहा है। यह उन्नति एक विशेष सीमा तक होगी। मानव देह का गठन ही ऐसा है कि एक विशेष स्तर से अधिक उन्नति करन में असमर्थ है। ठीक उसी प्रकार मनुष्य हो सकता है अपनी स्मृति शक्ति में उन्नति ला सकता है, किन्त यह उन्नति भी होगी एक निर्दिष्ट उम्र तक। उसके बाद और उन्नति नहीं होगी। एक साधारण मनुष्य सर्वज्ञ हो नहीं सकता।

प्रस्तुतिः दिव्यचेतनानन्द अवधूत

84 वर्षीय राजयोगिनी मोहिनी दीदी बनीं मुख्य प्रशासिका

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आबूरोड, राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की नई मुख्य प्रशासिका के रूप में 84 वर्षीय राजयोगिनी मोहिनी दीदी को दायित्व सौंपा गया है। आप ब्रह्माकुमारीज की छठीं मुख्य प्रशासिका बनी हैं। इसके पूर्व आप पिछले चार साल से अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका का दायित्व संभालती आ रही थीं। रविवार को हुई मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में सर्वसहमति से यह निर्णय लिया गया।

8 अप्रैल को मुख्य प्रशासिका 101 वर्षीय राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के देहावसान के बाद यह नियुक्ति की गई है। इसके पूर्व दादियां ही मुख्य प्रशासिका बनती आई हैं। पहली बार दीदियों के हाथ में संस्थान की बागडोर सौंपी गई है। वहीं संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी को अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका नियुक्त किया गया है। वर्ष 1941 में दिल्ली में जन्मी बीके मोहिनी दीदी ने दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने इतिहास, राजनीति विज्ञान और पत्रकारिता में कला स्नातक की डिग्री ली है। इसके पूर्व आपने उत्तर और दक्षिण अमेरिका और कैरिबियन में ब्रह्माकुमारीज के क्षेत्रीय समन्वयक के रूप में सेवाएं दी हैं। मुख्य प्रशासिका नियुक्त होने पर राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी ने कहा कि मुझे ब्रह्मा बाबा के साथ रहने और शिक्षा प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन शिक्षाओं को अपने जीवन में और सामाजिक जीवन में उपयोग करती हूं। जैसा घरों में होता है कि पहले दादा-दादियों को आगे रखा जाता है। इसी तरह अब दादियों के बाद मुझे यह दायित्व सौंपा गया है। ब्रह्माकुमारीज के इतिहास में अब तक मुख्य प्रशासिका का दायित्व दादियों को दिया जाता रहा है। यह पहला मौका है जब दीदी यह दायित्व संभालेंगी। इसके अलावा आप अमेरिका में भी वर्षों से संस्थान की सेवाओं को बढ़ाती आ रही हैं। मोहिनी दीदी ने पहली बार वर्ष 1972 में विदेश में सेवाकेंद्रों खोले। वर्ष 1976 में उत्तरी अमेरिका में पहली बार ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्रों की स्थापना की।

एमपी के खंडवा में अफसर से बोली महिला- आप बड़े अधिकारी हैं, इस तरह की भाषा शोभा नहीं देती...

खंडवा ■

मध्यप्रदेश के खंडवा में एक अफसर से म?हिलाओं का विवाद हो गया। महिलाएं पानी के लिए प्रदर्शन कर रहीं थीं जबकि अधिकारी उन्हें रोक रहे थे। इस दौरान गरमा-गरमी हो गई। अफसर ने केस दर्ज करने की चेतावनी दे दी तो महिलाएं बिफरा उठीं। उन्होंने कहा कि बदतमीजी मत करिए, हमें नियम कानून नहीं मालूम लेकिन पानी के लिए परेशान हैं इसलिए प्रदर्शन कर रहे हैं। खंडवा में पेयजल संकट को लेकर महिलाओं ने चक्काजाम कर दिया। सूचना पर एसडीएम बजरंग बहादुर मौके पर पहुंचे और कानून का हवाला देते हुए महिलाओं पर कार्रवाई करने की धमकी दी।

बदतमीजी मत करिए

एसडीएम बजरंग बहादुर ने महिलाओं से कहा कि हम एफआईआर दर्ज करा देंगे। इस पर एक महिला ने तुरंत उन्हें जवाब देते हुए कहा कि बदतमीजी मत करिए। महिलाओं ने एसडीएम से कहा कि आप इतने बड़े अधिकारी हैं, इस तरह की भाषा शोभा नहीं देती... गौरतलब है कि पिछले 15 दिनों में नर्मदा पाइपलाइन के बार-बार फूटने से कई जगहों पर पेयजल का संकट बना हुआ है। इसके विरोध में रविवार को महिलाओं ने इंदिरा चौक पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। एसडीएम बजरंग बहादुर ने चक्काजाम खत्म करने को कहा और नियम कानून का हवाला देते हुए केस दर्ज करने की धमकी दी जिससे महिलाएं भड़क उठीं। एसडीएम से प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे घरेलू महिलाएं हैं, नियम-कायदे नहीं मालूम लेकिन हालात अब असहनीय हो गए हैं इसलिए सड़कों पर उतरने को मजबूर हुई हैं।

आप गलत ढंग से बात नहीं करें

महिलाओं ने कहा कि परेशानी होगी तो बोलेंगे, आप इस तरह बात नहीं कर सकते, यह बदतमीजी है। हम अच्छे से बात कर रहे हैं, आप गलत ढंग से बात नहीं करें।

पानी की समस्या को लेकर महिलाओं ने चक्काजाम

इधर एसडीएम बजरंग बहादुर ने बताया कि पानी की समस्या को लेकर महिलाओं ने चक्काजाम कर दिया जबकि यह गलत है, गंभीर अपराध है। नगर निगम और विश्वा कंपनी को पेयजल आपूर्ति के निर्देश दिए हैं।

एमपी में राजपरिवार की दुकानों पर चली जेसीबी, सीधा हुआ मंदिर का रास्ता

पन्ना ■

मध्यप्रदेश के पन्ना में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राजपरिवार की दुकानों को जमींदोज कर दिया। ये दुकानें अतिक्रमण कर बनाई गई थीं और इनके कारण जगदीश स्वामी मंदिर से बलदाऊ मंदिर जाने वाला सीधा रास्ता बंद हो गया था। शहर के रहने वाले एक अधिवक्ता ने इस अतिक्रमण को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर अब राजपरिवार की अतिक्रमण कर बनाई गई दुकानों पर जेसीबी चली है।

पन्ना शहर में गांधी चौक से जगदीश स्वामी मंदिर होते हुए बलदाऊ मंदिर जाने के लिए सीधा रास्ता था। लेकिन अतिक्रमण कर राजपरिवार ने इस रास्ते पर दुकानें बनवा दीं। धीरे-धीरे हुए अतिक्रमण से मंदिर जाने वाला सीधा रास्ता ही बंद हो गया। आम रास्ते से कब्जा हटवाने शहर के अधिवक्ता ने जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई तो अधिवक्ता ने लोकोपयोगी कोर्ट में परिवाद दायर किया। कोर्ट के आदेश पर राजस्व अधिकारियों ने 25 मार्च 2025 को सीमांकन के लिए 11 सदस्यीय टीम को गठन किया गया। सीमांकन में राजस्व अमले ने पाया कि सार्वजनिक रास्ते पर पक्का निर्माण कर बंद कर दिया गया है। इससे लोगों की आवाजाही भी पूरी तरह से रुक गई है। कोर्ट के आदेश के बाद रविवार 13 अप्रैल को प्रशासनिक अमले ने अतिक्रमण कर बनाई गई राजपरिवार की दुकानों को जमींदोज कर दिया।

लायंस कान्वेंट में सायोनारा विदाई समारोह संपन्न

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। लायंस कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में सत्र 2024-25 की कक्षा12वीं के विद्यार्थियों को अपने जूनियर साथियों के द्वारा यादगार भाव भीनी विदाई दी गई। सायोनारा विदाई समारोह की खास बात यह रही की कक्षा12वीं के विद्यार्थी लगभग 40 कारों और मोटरसाईकिल की रैली के साथ स्थानीय हेलीपैड से शहर भ्रमण करते हुए स्कूल परिसर में पहुँचे जिसने पूरे वातावरण को उत्साह और उमंग से भर दिया।स्कूल इतिहास में शायद यह पहला अवसर था जब फेयरवेल के दौरान इस प्रकार की कार रैली निकाली गई हो।

यह रैली खास तौर से सेंधवा नगर पालिका द्वारा चलाए गए जल संरक्षण अभियान के समर्थन में भी निकल गई थी जिसमें इन विद्यार्थियों ने पोस्टर और बैनर हाथ में लेकर आम जनता से जल को बचाने की अपील की। इस रैली को सफल बनाने में प्रशासन का भी सराहनीय सहयोग रहा। रैली में लग्जरी और डेकोरेटेड कारों में विद्यार्थी पारंपरिक फेयरवेल परिधानों से मुस्कुराते चेहरे के साथ पहुँचे। जैसे ही कारों का काफिला स्कूल गेट के भीतर आया वहाँ मौजूद शिक्षकगण और जूनियर विद्यार्थियों ने उनका बैंड-बाजे और पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने अपने साथियों को आकर्षक स्मृति-चिह्न भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी। इस अवसर शर 12 वीं कक्षा के इन विद्यार्थियों ने भी यादगार रिटर्न गिफ्ट दिया। इस आयोजन को यादगार बनाने के लिए जूनियर साथियों द्वारा आकर्षक नृत्य-गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ रैम्प वाक का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान छात्र सौम्य पालीवाल,छात्रा वैष्णवी चौधरी, माही शर्मा, ने विद्यालय में अपने साथियों के साथ बिताए गए यादगार लम्हों को साझा किए। अनन्या सोनी ने कहा कि मैं अपने विद्यालय के प्रति दिल से कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ। यह वह स्थान है जहाँ हमने न केवल किताबी ज्ञान सीखा बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन मूल्य भी यही से सीखे हैं।

दिग्विजय का सबसे सनसनीखेज आरोप, 10 भाजपा नेताओं के नाम जारी कर बोले- ये ISI एजेंट हैं

भोपाल ■

देशभर के साथ साथ मध्य प्रदेश में जारी वक्फ बिल पर सियासत के बीच कांग्रेस के कद्दवार नेता और एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भजपा पर अबतक का सबसे बड़ा सियासी और सनसनीखेज हमला कर बेहद गंभीर आरोप लगाया है। दिग्विजय सिंह ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए उन भाजपा नेताओं के नामों की सूची जारी करते हुए उन्हें आईएसआई का एजेंट बताया है।

कांग्रेस के कद्दावर नेता दिग्विजय सिंह ने भाजपा नेताओं पर देश से सबसे बड़ी गद्दारी का

आरोप लगाया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर ऐसे 10 भाजपा नेताओं के नाम तक की सूची जारी कर आईएसआई का एजेंट बताया है। दिग्विजय ने भाजपा और आरएसएस को पोस्ट टैग करते हुए भाजपा, भाजपा युवा मोर्चा और आरएसएस से सवाल किया- आप इन्हें क्या कहेंगे?

-पाकिस्तान से विभिन्न खातों में धन प्राप्त किया।

-वॉयस ओवर के जरिये पाकिस्तानियों से बात करते थे।

नोटः- पोस्ट में ये नाम अंग्रेजी भाषा में लिखे गए थे। हमने इन्हें सिर्फ हिंदी में परिवर्तित किया है। नामों में किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की गई है।

एक्शन का रिएक्शन- संसद में वक्फ संशोधन बिल पास होने के बाद बीजेपी और हिंदूवादी संगठन दिग्विजय सिंह विरोध को देखते हुए उन पर हमलावर है। यहां तक की दिग्विजय को गद्दार बताते हुए भोपाल समेत प्रदेश के कई जिलों में उनके पोस्टर लगाए गए थे। माना जा रहा है कि इसी पर रिएक्शन देते हुए दिग्विजय सिंह ने संभवतः यह पोस्ट किया है।

दिग्विजय सिंह ने ये नाम किए जारी

1-बलराम सिंह चीफ (सतना) बजरंग दल, 2-मनीष गांधी (भोपाल), 3-त्रिलोक सिंह (भोपाल), 4-ध्रुव सक्सेना (भोपाल) बीजेपी भोपाल की आईटी सेल से, 5-मोहित अग्रवाल (भोपाल), 6-मोहन भारती (जबलपुर), 7-संदीप गुप्ता (जबलपुर), 8-कुश पंडित (दहरादून), 9-जितेंद्र ठाकुर (ग्वालियर भाजपा पार्षद वंदना ठाकुर का देवर), 10-रितेश कुल्लर...रज्जन तिवारी जिन्होंने बलराम सिंह को दीक्षा दी।

23वीं किस्त प्रदेश सरकार 16 अप्रैल को सभी लाडली बहनों को ट्रांसफर करेगी

भोपाल ■

अप्रैल महीने की 10 तारीख आकर चली गई लेकिन अबतक लाड़ली बहनों के खाते में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 23वीं किस्त के 1250 रुपए नहीं पहुंचे। मोहन सरकार महिने की 10 तारीख को योजना के पैसे लाभार्थी बहनों के अकाउंट में ट्रांसफर करती है। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। अब प्रदेश की लाखों महिलाओं को 23 वीं किस्त के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। बता दें कि, लाड़ली बहना योजना की 23वीं किस्त प्रदेश सरकार 16 अप्रैल को सभी लाडली बहनों को ट्रांसफर करेगी। इसके साथ ही ये उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार किस्त के पैसे बढ़कर आएंगे। हालांकि इसे लेकर प्रदेश सरकार ने अब तक कोई जानकारी नहीं दी है।

16 अप्रैल को मंडला जिले के तिकरवारा गांव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस आयोजन के दौरान सीएम मोहन यादव लाड़ली बहनों के खाते में खुशियों के 1250 रुपए ट्रांसफर करेंगे। मंडला में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सामूहिक विवाह में 1100 बेटियों की शादी होगी। इसके अलावा विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा। 16 अप्रैल को लाड़ली बहना योजना की 23वीं किस्त को लेकर आशंका जताई कि इस बार मोहन सरकार 1250 के अलावा अतिरिक्त राशि खाते में ट्रांसफर करेगी। ऐसी उम्मीद इस लिए जताई जा रही है क्योंकि 23वीं किस्त तय समय से 6 दिन की देरी से आएगी। ऐसे में कहा जा रहा है कि 1250 रूपए के साथ 6 दिन के भी पैसे जोड़कर मिलेंगे। हालांकि इसे लेकर प्रदेश सरकार की ओर से कोई सुचना जारी नहीं की गई है।

कार्यालय क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाऐं, इन्दौरसंभाग, इन्दौर (म.प्र.)

क्रमांक/स्टोर/2025/ 3086 — इन्दौर, दिनांक 08.05.25

—:: विज्ञप्ति प्रकाशन ::—

कार्यालय क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवायें इन्दौर संभाग इन्दौर में कार्यालयीन उपयोग में लगने वाली स्टेशनरी एवं सामग्री के क्रय करने हेतु वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज की जानकारी हेतु इच्छुक निविदाकार कार्यालय क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवायें इन्दौर संभाग इन्दौर के नाम से निविदाकार निविदा फार्म विज्ञापन प्रकाशित के दिनांक से 21 दिवस तक www.mptenders.gov.in से रुपये 1000/– का भुगतान कर ऑनलाईन प्राप्त कर सकते है। समस्त दस्तावेजों की हार्ड कापी अंतिम तिथि के पहले इस कार्यालय के भंडार शाखा मे अनिवार्य रूप से जमा करायें।

क्षेत्रीय संचालक,
स्वास्थ्य सेवाऐं, इन्दौर संभाग,
इन्दौर (म.प्र.)

G-11478/25

एमपी में पश्चिमी विक्षोभ के साथ दो सिस्टम एक्टिव

भोपाल। मध्यप्रदेश में फिर से मौसम बदल गया है। रविवार को खरगोन, टीकमगढ़, सतना और राजगढ़ में बारिश हुई। वहीं महेश्वर में ओले गिरे हैं। इससे पहले शनिवार को शिवपुरी और भिंड में देररात पानी गिरा था। इधर, मौसम विभाग की ओर से अगले 24 घंटों में ओले-बारिश के साथ तेज आंधी चलने का अनुमान है। मौसम विभाग की ओर से सिंगरौली, सतना, उमरिया, कटनी, मैहर जिलों में ओले-बारिश के साथ तेज आंधी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे ही बुरहानपुर बड़वानी, ग्वालियर, दतिया, भिंड जिलों में बारिश और ओलावृष्टि का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

रोड बनाने के लिए खोदे गए गड्ढे में डूबी तीन सगी बहनें, मच गई चीख-पुकार

सतना ■

मध्यप्रदेश के सतना जिले में लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। सड़क निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में डूबने से एक परिवार की तीन बच्चियों की मौत हो गई। जिसमें तीन सगी बहनों में से दो जुड़वा थीं।

पूरा मामला जसो थाना क्षेत्र के रीछुल गांव का बताया जा रहा है। हादसे में राजकुमार चौरसिया की बेटी जान्हवी (5), गौरी (5) और तान्या (8) दोपहर 3.30 बजे गांव के बगीचे में आम बीनने के लिए गई थीं। रास्ते में गड्ढे के किनारे से तीनों गुजर रहीं थीं तभी एक बालिका का पैर फिसला और वह पानी में जा गिरी। बहन को पानी में डूबता देख उसकी

दोनों बहनें गड्ढे में उतरी और बचाने में खुद डूब गईं। इधर, मां प्रभा देवी बेसुध हालत में हैं और पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे से ग्रामीण आक्रोशित हो गए और ठेकेदार के ऊपर मौके पर एफआइआर की मांग करने लगे। मामला शांत कराने के लिए नागौद और सिंहपुर थाने का बल रीछुल भेजा गया। एसडीएम-तहसीलदार भी पंहुचे। रात 8 बजे मौके पर पुलिस ने जीरो पर मर्ग कायमी की। थाना प्रभारी रोहित यादव में बताया, जांच में जो भी दोषी होगा उस पर नामजद एफआइआर होगी। आश्वासन के बाद रात नौ बजे तीनों शव नागौद मचुर्री भेजे गए। प्रशासन ने 4-4 लाख की आर्थिक सहायता देने की बात कही। ग्रामीणों ने बताया है कि नागौद-जसों बायपास सड़क निर्माण के लिए ठेकेदार मान सिंह ने 3 महीने पहले अवैध तरीके से 25 फीट का गड्ढा खोदकर मिट्टी निकाली थी। मिट्टी निकालने के बाद गड्ढे खुले छोड़ दिए गए। कुछ समय पहले हुई बारिश से गड्ढ़ों में पानी भर गया। सरपंच संध्या का कहना था कि ठेकेदार के द्वारा पंचायत से अनुमति नहीं ली गई थी।

अच्छे वर की तलाश में...

भाई को लड़की के लिए लड़का चाहिए था। समाज के वरिष्ठजन रामबाबूजी से मिलकर बोले ₹बाबूजी कोई अच्छा प्रपोजल हो तो बताइए। बिटिया अब बड़ी हो गई।₹ बाबूजी ने पूछा, अच्छा अरे कितने वर्ष की हो गई। भाई ने बताया...जी चौबीस की है। बाबू बोले.. अरे ! तो अभी तो आराम से एकाध साल और आप इंतजार कर सकते थे। भाई ने कहा....जी। लेकिन अभी से देखना चालू करेंगे तो पसन्द आते आते एकाध साल तो निकल ही जायेगा। बाबूजी बोले....अरे क्या बात कर रहे हो? आजकल समाज मे इतने परिचय सम्मेलन, बायोडेटा ग्रुप्स, व्हाट्सएप ग्रुप, वेबसाइट्स बन गए है। बहुत जल्दी अपने पसन्द का सम्बंध मिल जाता है। और ऐसा कौनसा विशेष सम्बन्ध चाहिए आपको। भाई ने जवाब दिया...अरे नही बाबूजी, बच्चों को आजकल अपनी पसंद का सम्बंध चाहिए। एकदम से समझ नही आता।

डॉ. संजय बिन्दल
फिल्म निमार्ता एवं प्रबंधन विशेषज्ञ
ग्लोबल हेराल्ड

बाबूजी ने कहा....हां ये तो है। फिर भी अभी आप क्या करते है? भाई ने बताया .... जी नौकरी है। प्राइवेट फर्म में। 40 हजार सेलेरी है। बाबूजी ने सिर हिलाया, पूछा...अच्छा । और बच्ची क्या कर रही है। भाई ने बताया...जी उसकी भी प्राइवेट जॉब है। 6 लाख साल का पैकेज है। बाबूजी ने जब पूछा की सम्बन्ध कैसा चाहिए तो भाई ने इच्छा जाहिर की..... जी लड़का अच्छा हो, अच्छा कमाता हो,खुद का घर हो, अच्छे खानदान का हो। उस पर बाबूजी ने सहमति में सिर हिलाकर कहा...हाँ ये सब तो होना ही चाहिए। एक प्रपोसल है मेरे पास। लड़के का 7-8 लाख का पैकेज है। खुद का 2 इल्डक का फ्लैट है। घर में माँ बाप, दादा दादी और एक छोटी बहन भी है। अच्छे लोग है। भाई ने सिर हिला कर साफ मना करा बोले....जी फ्लेट में तो आजकल बड़ी समस्याएं है। एक मेहमान आ जाये तो रुकने की दिक्कत फिर फेमेली में इतने लोग? बाबूजी ने समझाया.. अरे भई, बहन तो अपने घर चली जायेगी। दादा दादी उम्रदराज है। लड़का तो इकलौता ही है। भाई ने समझाया...हाँ वो तो सही है पर लड़की की शादी में सब खर्च कर देंगे। फिर 7-8 लाख से क्या होता है। आजकल घर का खर्च ही नही पूरा पड़ता तब बाबूजी ने भी समझाया कि भाई अभी बच्चें की उम्र ही क्या है। 26 साल का है। आगे ज्यादा कमाएगा पर भाई सन्तुष्ट नही हुए, बोले.....नही और कोई बताइए। अगर कोई अच्छा बिजनेसमैन हो तो ज्यादा अच्छा। खुद का बंगला, गाड़ी तो होनी ही चाहिए। बाबूजी ने कुछ सोचकर फिर बताया...जी है एक और। बच्चा पिताजी के साथ किराने का होलसेल काम करता है। खुद का बंगला है 3 बेडरूम का जनता कोलोनी में। एक बहन की शादी हो गई। गाड़ी भी है मारुति आल्टो। 10 लाख साल का तो कमा ही लेते है। भाई ने नकारात्मक सिर हिलाया बोले...अरे साहब जनता कॉलोनी तो बहुत दूर है शहर से। वहां तो फ्लेट के भाव में बंगले मिल जाते है और फिर आल्टो तो कोई भी ले लेता है। मेरे यहाँ भी थी एक सेकंड हैंड। सस्ती मिल जाती है। फिर पिताजी के साथ काम कर रहा है। खुद का तो कुछ नही है। अब बाबूजी ने सोचा इन्ही से पूछ लेते है सो उन्होंने पूछा....तो भाई आप ही बताओ आप क्या चाहते हो? भाई ने अपनी इच्छा जाहिर की कि घर में कम से कम एसयूवी जितनी गाड़ी तो होना ही चाहिए। बंगला भी 2-3 हजार फुट में सिटी के पास तो बना हो। और फिर 10 लाख तो आजकल घर में ही खर्च हो जाते है। थोड़ा घूमने फिरने, शॉपिंग वगैरह के भी बच्चों को शौक होते है उतनी तो कमाई अलग से हो। बाबूजी ने सिर हिला कर कहा चलिए ठीक है एक प्रपोजल और है। लड़के का पैकेज 12 लाख का है। पिताजी की फोटोकॉपी की दुकान है उससे भी 3-4 लाख की आय हो जाती है। दो बहन है। घर का मकान है 3 बेडरूम का राजबाड़ा एरिया में। भाई ने निराशा भरे स्वर में कहा.... राजबाड़ा एरिया तो अब पुराना हो गया भाई जी। अब तो शानदार कॉलोनियां बन गई। अब पुराने शहर में कौन रहना चाहता है। सब वहां से बेचकर कालोनियों में जा रहे हैं और फोटोकॉपी का काम भी कोई स्टेंडर्ड का नही है। लड़का अलग रहता तो फिर भी ठीक था। पर दो बहनों की जिम्मेदारी में वो 10 साल तक उठ नही पायेगा। बाबूजी ने थोड़ा असहज होकर फिर बताया...फिर तो भाई जी एक प्रपोजल है वो शायद आपके लिए सही रहेगा। लड़का व उसका भाई साथ में है। पिता का प्रोपर्टी का व्यवसाय है। 25-30 लाख साल की कमाई होगी परिवार की। घर भी कम से कम 1 करोड़ की कीमत का होगा। बस लड़का थोड़ा हाइट में कम है और रंग सांवला है। अच्छा परिवार है मैं जानता हूँ उनको। भाई ने फिर मना करते हुए कहा...अरे भाई जी आजकल बच्चियों को लड़का हैंडसम चाहिए। अच्छा पढा लिखा भी हो। सांवला व कम हाइट का या बाल कम हो तो बच्ची ने पहले ही मना कर रखा है। फिर मकान में लड़के के हिस्से में तो 30-40 लाख ही आयंगे। क्या मतलब। बाबूजी ने मोबाइल में देखा फिर बोले .... तो चलिए छोड़िये सबको। बढ़िया काम बताता हूँ। लड़का दिखने में भी अच्छा है। मकान की कीमत भी कम से कम 2 करोड़ होगी। फर्नीचर का काम है। इकलौता लड़का है। कमाई भी घर में सालाना 50 लाख होगी। भाई को प्रपोजल ठीक लगा बोले...हाँ इस पर विचार कर सकते है। बाबूजी ने आगे बताया .....पर भाई जी उनका परिवार बड़ा है और फिर समाज के हिसाब से वो अच्छी शादी करना चाहते है। ज्यादा तड़क भड़क भी नही पर थोड़ी डिसेंट क्योंकि उनका भी अपना समाज में थोड़ा रुतबा है। डिमांड नही है पर चाहते है कि शादी का लगभग 50 लाख का खर्च होगा तो आधा लड़की वाले करे। आजकल 600-700 लोगो की 2 दिन की सादगी से शादी में भी इतना खर्च आ ही जाता है। भाई भड़क गए...अरे ये क्या बात हुई। दहेज लेना तो गलत है तब बाबूजी ने समझाया ....अरे वो दहेज कहाँ मांग रहे है वो तो खर्च में आधा-आधा बोल रहे है। अब उनका भी इकलौता लड़का है। उनकी भी अपनी इच्छाएं है। फिर उनको खुद को कुछ नही चाहिए पर खर्च तो होगा ही ना। वो अकेले कहाँ से करेंगे पर भाई ने निराशा में सिर हिलाते हुए मना कर दिया..... नही भाई जी इतना तो हम नही कर सकते तो बाबूजी ने फिर समझाया....पर भैया आप जैसा सम्बन्ध चाह रहे हो तो उस हिसाब से आप पर भी कुछ तो भार आएगा ही। अब कोई बड़ा परिवार, पैसे वाला परिवार कोर्ट में जाकर तो शादी करेगा नही। खर्च तो होगा ही ना। और फिर आप अपनी मर्जी तो किसी पर डाल नही सकते। परिवार में या लड़के में कोई कमी होगी तभी कोई व्यक्ति एक सीमा तक कोम्प्रोमाईज करेगा। और फिर आजकल बच्चों के दिमाग का कोई भरोसा नही। कभी अलग हो गए तो आप भी एलिमनी मांगेंगे क्या तब गलत नही होता? भाई ने जोशीले स्वर में कहा.....नही जी क्यों गलत होगा? एलिमनी तो हक है अलग होने पर। बाबूजी बोले...भई आपकी बच्ची अगर पढ़ी लिखी है तो फिर उसे अलग से पैसा क्यों चाहिए? लड़के को भी अपने माँ बाप को पालना होगा, नया परिवार बसाना होगा तो वो भी कहां से देगा। और गलती किसकी होगी ये आज कैसे कह सकते है? लड़कियां घर का काम नही करना चाहती। अलग रहना चाहती है। ख्वाइशें ऊंची होती है। तो एक हाथ से ताली तो नही बजती ना बन्धु! पर भाई सहमत नही हुए बोले...जी वो सब ठीक है पर मैं एक पिता हूँ अपनी बच्ची के लिए तो अच्छा ही सोचूंगा ना। अच्छा चलता हूँ। कोई अच्छा काम आए तो जरूर बताइएगा। कहकर उठकर हल दिए। 3 वर्ष बाद भाई फिर बाबूजी के पास सम्बन्ध के लिए निवेदन करने आये तो बाबूजी हल्के नाराजगी भरे शब्दों में बोले.....भाई आपको कई सम्बन्ध बताये पर आपको पसंद ही नही आये हम भी क्या करे। भाई ने कहा ....क्या करे भाई जी। बच्ची का भविष्य भी देखना पड़ता है। पर ठीक है। आप बताइए तो। थोड़ा कम-ज्यादा समझ लेंगे। आखिर हथियार डालने को थोड़ा सा राजी हुए। तो बाबूजी ने बताया...जी एक सम्बन्ध है। लड़का पैसे वाले परिवार से है। घर का मकान, गाड़ी सब है पर उसकी एक बार सगाई टूट चुकी है। उम्र है 29 वर्ष। भाई ने निराशा भरे स्वर में कहा...अरे उम्र तो ज्यादा है। और सगाई भी टूट चुकी है। बाबूजी ने उनका चेहरा देखा फिर बोले...अरे पर आपकी बच्ची भी तो अब 27 वर्ष की है। और अब तो 28-30 साल के लड़के ही मिल पायंगे। और हो सकता है कुछ अच्छा और कुछ समस्या भी हो। भाई ने कुछ सोचकर पूछा....चलिए उम्र तो ठीक है पर सगाई क्यों टूटी थी? बाबूजी ने बताया...जी लड़की का कहना था कि वो हनीमून पर यूरोप जाना चाहती थी। लड़के ने मना कर दिया कि अभी सम्भव नही है। उस बात पर विवाद इतना बड़ा की दोनों में अनबन हो गई। भाई संतुष्ट नही हुए बोले....अरे कोई और बात होगी। ये लड़के वाले सही-सही थोड़ी बताएंगे। वो तो अपना ही पक्ष रखेंगे न। अच्छा कोई और सम्बन्ध आये तो बताइएगा कहकर भाई चले गए। कुछ समय बाद बाबूजी को पता लगा विदेश में नौकरी करने वाले किसी लड़के से बच्ची की शादी हो गई थी और वो 2 महीने भारत मे लड़की के साथ रहकर वापस चला गया और फिर नही आया। पिता पोलिस में रिपोर्ट करके परेशान घूम रहे है। ये एक सत्य वाकया है। इसके ऊपर से एक पौराणिक प्रसंग याद आया। द्रोपदी ने पूर्व जन्म में तपस्या की अच्छे वर के लिए। जब तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान ने वरदान मांगने को कहा तो द्रोपदी ने कहा भगवन मुझे ऐसा वर मिले जो कामदेव के समान सुंदर हो, श्रेष्ठ धनुर्धर हो, बलवान हो, सच्चा हो और बेहद दिमाग वाला हो। भगवान ने इच्छा पूर्ति तो कर दी। पर पांच पति दिए जिनमे हर एक में एक गुण था। कहने का मतलब है द्वापर युग में भी अगर एक राजा की पुत्री को सर्वगुण सम्पन्न वर नही मिला तो आप कलयुग में खुद अक्षम होते हुए भी बेहद ऊंचे सपने देख रहे है। आपको सुंदर, सुशील, पैसे वाले, घर गाड़ी वो भी ऊंची कीमत की, खूब कमाने वाला, खानदानी चाहिए तो वो भी तो सब होने पर अपने समकक्ष सम्बन्ध तलाशेगा। वो आपके यहाँ सम्बन्ध क्यों करेगा? आप पिता है अपनी बच्ची का भला देखना स्वाभाविक है और देखना भी चाहिए पर सपने ऐसे देखे जो पूरे हो सके। लड़के व परिवार के संस्कार देखिये, लड़के का उज्जवल भविष्य देखिये, मेडिकल कुंडली मिलाइए, बाकी भौतिक वस्तुएं तो आज है कल नही होगी तो क्या होगा? या आज नही है तो अगर लड़का लायक है तो दोनों मिलकर सपने पूरे कर लेंगे। पर इस तरह से 3-4 साल भटकते हुए अंत में कोम्प्रोमाईज करके पहले मिल रहे सम्बन्धों से भी हल्के सम्बन्ध पर कोम्प्रोमाईज करना कहाँ तक उचित है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

न्यूज ब्रीफ

माताजी के निधन के पश्चात नेत्रदान की इच्छा जताई, नेत्रदान किया

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। आज सुबह 9 बजे जवाहरगंज निवासी मंजुला अग्रवाल उम्र 65 वर्ष का आकस्मिक निधन हो गया पुत्र विकास गर्ग ने माताजी के निधन के पश्चात मानव सेवा समिति सेंधवा के संचालक निलेश जैन से बात कर नेत्रदान की इच्छा जताई मानव सेवा समिति के निलेश जैन द्वारा तत्काल नारायणदास हॉस्पिटल के डाक्टर आकाश पालीवाल से संपर्क किया दोपहर 11 बजे मृतक मंजुला अग्रवाल कार्निया निकाले यह कार्निया इंदौर के एमके इंटरनेशनल आई बैंक इंदौर को जायेगे जहा कार्निया 2 जरूरतमंद लोगों को लगाए जाएंगे कार्निया निकलने के लिए उपयोग में आने वाला किट श्री कमलादेवी हजारीलाल ट्रस्ट की ओर से नारायणदास हॉस्पिटल में उपलब्ध हे मानव सेवा समिति के संचालक समाजसेवी निलेश जैन ने बताया कि समिति का यह 24 वा नेत्रदान था मंजुला। अग्रवाल की आखों से दो लोगो की आखों की रोशनी मिलेगी अग्रवाल परिवार द्वारा पर्यावरण बचाने की पहल करते हुवे लकडियो की जगह गोबर से बने कंडो से इको फेंडली अंतिम सस्कार कडो से कल सुबह 9 बजे होगा मानव सेवा समिति के निलेश जैन ने शहर के सभी समाज प्रमुखों से अपील की हे समाज में किसी भी जगह गमी हो जाने पर उनके मोबाइल नंबर 9425094501 पर संपर्क करे हमारी टीम परिवार को नेत्रदान के लिए प्रेरित करेगी आज इस अवसर पर पुत्र विकाश गर्ग विनय गर्ग अभिषेक गोयल राकेश ओजस शर्मा जुगल गोयल मुकेश मंगल और नारायणदास हास्पीटल के डॉ आकाश पालीवाल रोहित आर्य विकास सेनानी मौजूद रहे।

तीन साल चला केस, 22 लोगों ने दी गवाही, फिर मिला दोहरे हत्याकांड के दोषियों को आजीवन कारावास

उज्जैन। अपर सत्र न्यायाधीश बड़नगर के न्यायालय ने तीन साल पहले हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड में दो आरोपियों को दोषी करार देकर आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला कुल 22 गवाहियों के आधार पर सुनाया गया। जानकारी के अनुसार यह मामला 11 अप्रैल 2022 का है, जब उज्जैन के हीरानगर निवासी राजेश नागर (45) और उनके बेटे पार्थ नागर को आरोपी जयराम पिता निरपत सिंह कुशवाह और दिनेश पिता गेंदालाल जैन ने उधारी के पैसे लौटाने का झांसा देकर बड़नगर बुलाया। उन्होंने दोनों को यह विश्वास दिलाया कि एक पार्टी से उन्हें पेमेंट मिलना है, जिसे वे राजेश और पार्थ को दे देंगे। राजेश और पार्थ, इस झांसे में आकर दोनों आरोपियों के साथ ऑटो में बैठकर बड़नगर आ गए। यहां पहले उनकी आंखों में मिर्च झोंकी गई, फिर लोहे के बक्के और अन्य हथियारों से हमला कर उनकी हत्या कर दी गई। बाद में उनके शव देवनारायण मंदिर के पास खाई में फेंक दिए गए, जिन्हें ग्रामीणों मांगीलाल और कमल सिंह ने देखा और पुलिस को सूचना दी।

अग्रवाल समाज महिला मंडल ने टूनार्मेंट में किया अच्छा प्रदर्शन : सेजल गर्ग

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन द्वारा आयोजित क्रिकेट टूनार्मेंट में सेंधवा अग्रवाल समाज महिला मंडल की टीम ने भी हिस्सा लेकर प्रथम बार में अच्छा प्रदर्शन किया। इस टूनार्मेंट में खेले गए मैच में बेस्ट बेट्स वूमेन व बेस्ट बॉलर का खिताब भी जीता। अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन द्वारा पुरुष व महिलाओं के लिए क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन किया गया था जिसमें अग्रवाल समाज महिला मंडल की बहु बेटियों ने भी पहली बार भाग लिया। टूनार्मेंट में सेंधवा टीम ने दो मैच खेले एक मैच जीतने के बाद दूसरा मैच हार जाने वे टूनार्मेंट से बाहर हो गए। खेले गए मैच में टीम का प्रदर्शन अच्छा रहकर बल्लेबाजी व गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन करते हुए सेजल नंदकिशोर गर्ग को बेस्ट बेट्स वूमेन व गरिमा गोयल को बेस्ट बॉलर से सम्मानित किया गया। टिम की कप्तान सेजल गर्ग ने बताया कि पूरे टूनार्मेंट में टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा। हम ट्राफी नहीं जीत पाए किंतु हमारी टीम ने उत्साहित होकर अच्छा प्रदर्शन किया। यह हमारा पहला अवसर है कि हम बाहर जाकर खेले। हमारे खिलाड़ियों के पास बाहर खेलने का अनुभव नहीं होने से हमें मुश्किलें आई किंतु पहली बार में हमने एक मैच जीता है। आगे हम अच्छी तैयारी के साथ टॉपी जीतकर लायेंगे। इस दौरान अग्रवाल समाज महिला मंडल की ओर से ज्योत्सना अग्रवाल, रानी मंगल, रितु गोयल, मीना गर्ग, निधि अग्रवाल भी टीम के साथ इंदौर गई थी। अग्रवाल समाज महिला मंडल सेंधवा टीम का नेतृत्व में सेजल गर्ग (कप्तान), चंचल मित्तल, सोनल गर्ग, गरिमा गोयल, नवांशी गोयल, पूर्वा गर्ग, मेघा गोयल, मनीषा मंगल, आरती अग्रवाल, काव्या गोयल, रंजिता गर्ग को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भोपाल मैनिट में एक साथ 120 बच्चों की तबियत बिगड़ी, मचा हड़कंप

भोपाल ■

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) में पढ़ने वालों छात्रों की अचानक तबियत बिगड़ गई। हैरानी की बात ये है कि, बीमार होने वाले छात्र एक-दो या दस-बीस नहीं, बल्कि 120 थे। घटना के बाद मैनिट प्रबंधन में हड़कंप मच गया। कोई बच्चा उल्टी कर रहा था तो कोई बेसुध अवस्था में पड़ा था। कुछ देर में मैनिट हॉस्टल का नजारा ऐसा था कि, खुद की हालत इतनी बिगड़ गई कि छात्र एक-दूसरे की सुध तक नहीं ले पा रहे थे। आनन-फानन में मैनिट प्रबंधन ने सभी छात्रों को नजदीक के शारदा अस्पताल समेत अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया। फिलहाल, कई बच्चों का इलाज अब भी जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, मैनिट के छात्र फूड प्वाइजनिंग की समस्या से ग्रस्त हुए हैं। ये मैनिट के हॉस्टल नंबर-4 में रहने वाले फर्स्ट ईयर के छात्र ही अचानक से बीमार हुए थे। अबतक की पड़ताल और चिकित्सकीय जांच से पता चला है कि, बीमार पड़ने वाले सभी छात्र फूड प्वाइजनिक की चपेट में आए थे। क्योंकि, ये सभी एक ही हॉस्टल के हैं और इन्होंने शनिवार सुबह एक साथ नाश्ते में आलू का पराठा खाया था। जबकि, दोपहर में एक साथ ही आलू की सब्जी खाई थी।

25-30 छात्र अब भी भर्ती

बता दें कि, खबर लिखे जाने तक भी अस्पताल में लगभग 25 से 30 छात्रों का उपचार जारी है, जबकि हालत सामान्य होने पर देर शाम से अभी तक लगभग 90 छात्रों को 108 एम्बुलेंस की सहायता से वापस मैनिट पहुंचा दिया गया है। संभावना जताई जा रही है कि, आज शाम तक सभी छात्रों की अस्पताल से छुट्टी कर दी जाएगी। वहीं, मैनिट प्रबंधन फूड प्वाइजनिंग के कारणों की जांच कर रहा है।

आलू पड़ गया भारी!

इलाज में जुटे चिकित्सकों की मानें तो एक साथ बीमार पड़े बच्चों ने एक साथ ही चीज सुबह के नाश्ते में खाई थी और एक ही सब्जी दोपहर के भोजन में ग्रहण की थी। वहीं, चिकित्सकीय परीक्षण में भी फूड प्वाइजनिंग की पुष्टि हुई है। फिलहाल, सभी बच्चों की हालत खतरे से बाहर है। रात तक कुछ बच्चों की हालत चिंताजनक बनी थी, लेकिन अब वो भी काफी बेहतर हैं।

बांधवगढ़ के आसपास बाघ का आतंक, दो दिन में दो हमले महिला गंभीर रूप से घायल

उमरिया ■

उमरिया जिले के विश्वविख्यात बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफर परिक्षेत्र से सटे ग्राम सेमरिया के जंगल में रविवार सुबह एक महिला पर बाघ ने हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। 38 वर्षीय रीना बैगा जंगल में महुआ बीनने गई थी, तभी झाड़ियों में छिपे बाघ ने अचानक हमला कर दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और वन विभाग को सूचना दी गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पार्क प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची और घायल महिला को तत्काल जिला अस्पताल लाया गया। महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पार्क प्रबंधन ने घायल महिला के इलाज की पूरी जिम्मेदारी ली है। परिक्षेत्राधिकारी विजय शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि यह वही बाघ हो सकता है जिसने शनिवार को ग्राम पिपरिया में 14 वर्षीय बालक विजय कोल पर हमला कर उसकी जान ले ली थी। दो दिनों में हुए इन दो हमलों ने क्षेत्र में दहशत का माहौल बना दिया है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के आसपास बाघ द्वारा हमला करने की यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले 2 अप्रैल को पनपथा बफर जोन में महुआ बीनने गई एक युवती पर बाघ ने हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया था। वहीं शनिवार को धमोखर क्षेत्र में 14 वर्षीय बालक बाघ के हमले का शिकार बन गया था।

एमपी में दोस्त की गर्लफ्रेंड को लेने ऑफिसर्स बनकर आए दो युवक, फिर हुआ ये..

मुरैना ■

मध्यप्रदेश के मुरैना में वन स्टॉप सेंटर पर उस वक्त हंगामा मच गया जब एक युवती को लेने के लिए दो युवक खुद को मानव अधिकार आयोग के सदस्य बनकर पहुंच गए। युवती के परिजन भी वन स्टॉप सेंटर पहुंचे थे और जब उन्हें इस बात का पता चला कि उनकी बेटी उन्हें न सौंपकर लड़के के दोस्तों को सौंपी जा रही है तो उन्होंने हंगामा कर दिया। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और हंगामे को शांत कराया।

मुरैना के पोरसा के रहने वाले हरेन्द्र रावत ने दीप्ति (बदला हुआ नाम) से घर से भागकर लव मैरिज की थी। उसके बाद दीप्ति की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका लगाकर सुरक्षा की मांग की थी। जिसके बाद कोर्ट ने तीन अप्रैल को एसपी मुरैना को दोनों को सुरक्षा देने के निर्देश दिए थे। इसके बाद हरेन्द्र और दीप्ति पोरसा थाने पहुंचे थे जहां से कोर्ट के आदेश के चलते दीप्ति को वन स्टॉप सेंटर भेजा गया था। हरेन्द्र से पुलिस ने कहा था कि तुम वन स्टॉप सेंटर से दीप्ति को ले जाना। लेकिन जब हरेन्द्र वन स्टॉप सेंटर पहुंचा तो दीप्ति को उसके सुपुर्द नहीं किया गया। वो तीन दिनों तक चक्कर काटता रहा। शनिवार को दीप्ति (बदला हुआ नाम) के परिजन उसे लेने के लिए वन स्टॉप सेंटर पहुंचे थे लेकिन उन्हें दीप्ति से मिलने नहीं दिया जा रहा था।

छिंदवाड़ा को मिलेगा आध्यात्मिक सौभाग्य

पहली बार पधारेंगे शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती

छिंदवाड़ा ■

छिंदवाड़ा की धरती इस बार अध्यात्म की ऊर्जा से सराबोर होने जा रही है। द्वारका शारदा पीठ के पूज्य शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती, शंकराचार्य पद पर आसीन होने के बाद पहली बार नगर में पदार्पण करेंगे। यह ऐतिहासिक क्षण 17 अप्रैल को शाम 4 बजे आएगा, जब वे चौरई से नगर में प्रवेश करेंगे।

17 से 19 अप्रैल तक चलने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शंकराचार्य की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। नरसिंहपुर रोड स्थित नंदन हिल्स उनका विश्राम स्थल रहेगा।

वहां प्रतिदिन शाम पांच बजे शंकराचार्यजी के प्रवचन होंगे, जो केवल धार्मिक उपदेश नहीं बल्कि जीवन को दिशा देने वाले विचार होंगे। शंकराचार्य का छिंदवाड़ा में यह पहला आगमन है, और इसी को ध्यान में रखते हुए नगर के श्रद्धालु, धार्मिक संस्थाएं व स्वयंसेवी संगठन भव्य स्वागत की तैयारियों में जुटे हैं। पूरे मार्ग को सजाने की योजना है, वहीं स्थानीय मंदिरों में विशेष पूजन और भजन संध्या की भी संभावना है।

आध्यात्मिक उत्सव में सभी को आमंत्रण

यह केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि छिंदवाड़ा की आध्यात्मिक पहचान का क्षण है। आयोजकों ने बताया कि यह समारोह सभी धर्मप्रेमियों के लिए खुला है और हर कोई इस अलौकिक अनुभव का साक्षी बन सकता है।

महाकुंभ वायरल गर्ल हर्षा रिछारिया जाएंगी संभल

भोपाल। महाकुंभ में वायरल हुईं मध्यप्रदेश की हर्षा रिछारिया जल्द ही 175 किलोमीटर लंबी यात्रा निकालने जा रही हैं। उनकी यह यात्रा 14 अप्रैल से शुरू होगी। जिसका नाम सनातनी युवा पदयात्रा होगा। ये यात्रा वृंदावन से शुरू होकर 21 अप्रैल को संभल में समाप्त होगी। हर्षा रिछारिया ने कहा कि वह 14 अप्रैल से सनातनी युवा पदयात्रा निकालने जा रही है जिसकी शुरूआत में वह वृंदावन से करेंगी। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल 2025 से शुरू होने वाली इस सनातनी युवा जोड़ो पदयात्रा का समापन 21 अप्रैल को संभल में होगा। इस सात दिन की पदयात्रा के माध्यम से युवाओं को सनातन संस्कृति की गहराई, मूल्यों और उसके वैज्ञानिक पक्ष से परिचित कराना है।

गंदे नाले में तब्दील हुई पन्ना की गंगा कही जाने वाली किलकिला नदी

पन्ना ■

यह नाला नहीं पन्ना की गंगा कही जाने वाली किलकिला नदी का पवित्र स्थल अमराई घाट है। अतिक्रमण से नदी की कलकल करती जलधारा टूट गई है। प्राकृतिक जल स्त्रोतों को बचाने और सहेजने प्रदेश सरकार जल गंगा संवर्धन अभियान चला रही है। वहीं दम तोड़ती पन्ना की गंगा को बचाने तक के प्रयास नहीं किए जा रहे हैं।

किलकिला का उद्गम पन्ना जिले की बहेरा के निकट छापर टेक पहाड़ी पर है। पन्ना के सलैया और भापतपुर के बीच में केन नदी में मिल जाती है। पन्ना पहुंचने के पहले नदी की हालत कुछ ठीक है। पन्ना पहुंचने के बाद शहर के नालों के कारण यह दूषित हो जाती है। शहरभर के नाले और नालियों का गंदा पानी इसी में मिलता है। कभी इस नदी के जल को पवित्र मानकर लोग घरों में रख पूजा-अर्चना करते थे, अब इसके पानी का उपयोग तो दूर छूने से भी डरते हैं। मवेशी तक यहां का पानी नहीं पीते हैं।

यह है धार्मिक मान्यता

वरिष्ठ धर्म उपदेशक खेमराज शर्मा ने बताया, किलकिला नदी प्रणामी सम्प्रदाय के लिए गंगा की तरह पूज्य है। मान्यता है कि निजानन्द सम्प्रदाय के प्राणनाथ संवत 1684 में किलकिला नदी के अमराई घाट आए थे। प्राणनाथ ने अमराई घाट में स्नान करना चाहा तो स्थानीय आदिवासियों ने उन्हें रोक दिया था। आदिवासियों का कहना था, नदी का जल विषैला है, इसके ऊपर से गुजरने वाले पक्षियों की भी मौत हो जाती है, इससे दूर रहिए। पर प्राणनाथ के अंगूठे के स्पर्श मात्र से यह विषैला जल अमृत हो गया था। उक्त घटनाक्रम के बाद प्राणनाथ यही बस गए। वह स्थान अमराई घाट के नाम से जाना जाता है। यह निजानन्द सम्प्रदाय का पवित्र स्थल है।

नदी के लिए राशि स्वीकृत

किलकिला नदी को प्रदूषण मुक्त करने के हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री से भी मांग की गई है। नदी के लिए कुछ राशि स्वीकृत हुई है। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भी प्रस्तावित है। जल्द ही काम शुरू होंगे।

बृजेंद्र प्रताप सिंह विधायक पन्ना

किलकिला नदी को प्रदूषण मुक्त करने की योजना बनाई है। गंदे नाले-नालियों का पानी रोकने के लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट प्रस्तावित है। इसके लिए लगातार प्रयास भी किए जा रहे हैं। स्वीकृति मिलते ही इस दिशा में काम भी शुरू कर दिया जाएगा। -

सुरेश कुमार, कलेक्टर पन्ना

प्राइवेट सिस्टम का खेल: आम आदमी की जेब पर हमला

भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी अधिकार आज निजी संस्थानों के लिए मुनाफे का जरिया बन चुके हैं। प्राइवेट स्कूल सुविधाओं की आड़ में अभिभावकों से मनमाने शुल्क वसूलते हैं—ड्रेस, किताबें, यूनिफॉर्म, कोचिंग—सब कुछ महँगा और अनिवार्य बना दिया गया है। वहीं, प्राइवेट हॉस्पिटल डर और भ्रम का माहौल बनाकर मरीजों से मोटी रकम वसूलते हैं। सामान्य बीमारी को गंभीर बताकर महंगी जांच, दवाइयाँ और भर्ती का दबाव बनाया जाता है। इन संस्थानों के पीछे राजनीतिक संरक्षण है, जिस कारण कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। सबसे अधिक संकट में मध्यम वर्ग है, जिसे न सरकारी सेवाओं पर भरोसा है, न प्राइवेट सिस्टम से राहत। यह एक चेतावनी है कि यदि जनता ने अब भी आवाज नहीं उठाई, तो शिक्षा और स्वास्थ्य सिर्फ विशेषाधिकार बनकर रह जाएंगे।

डॉ सत्यवान सौरभ
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

भारत एक ऐसा देश है जहाँ शिक्षा और स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार माना जाता है। लेकिन जब यही अधिकार एक व्यापार का रूप ले लें, तो आम आदमी की जिंदगी में यह अधिकार बोझ बन जाते हैं। आज के दौर में प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट हॉस्पिटल सुविधाओं के नाम पर ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं जो आम नागरिक की जेब पर सीधा हमला करती है। यह हमला सिर्फ आर्थिक नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है।

शिक्षा या व्यापार?

प्राइवेट स्कूलों की बात करें तो अब ये शिक्षण संस्थान कम और फाइव स्टार होटल ज्यादा लगते हैं। स्कूल में दाखिले के लिए लाखों की डोनेशन, एडमिशन फीस, एनुअल चार्जेस, ड्रेस, किताबें, जूते, बस फीस - हर चीज में अलग-अलग मदों के नाम पर वसूली होती है। किताबें स्कूल के किसी अधिकृत वेंडर से ही खरीदनी होती हैं, जिनका मूल्य बाजार दर से दोगुना होता है क्योंकि उसमें स्कूल का कमीशन जुड़ा होता है। स्कूल यूनिफॉर्म भी उन्हीं से लेनी पड़ती है, जो आम बाजार में मिलती ही नहीं। यह सब इसलिए नहीं कि अभिभावक इन सुविधाओं की मांग करते हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि स्कूलों ने इसे अनिवार्य बना दिया है। पढ़ाई नाम की चीज अब कक्षा में कम और कोचिंग संस्थानों में ज्यादा होती है - और दिलचस्प बात ये है कि उन कोचिंग संस्थानों के मालिक भी कई बार उन्हीं स्कूल संचालकों से जुड़े होते हैं। बच्चा दिनभर स्कूल, फिर कोचिंग, फिर होमवर्क, और फिर ट्यूशन - खुद के लिए ना समय, ना सोच, ना बचपन। इन सबका उद्देश्य एक ही होता है - 99% लाओ। और जब ये नंबर नहीं आते, तो बच्चे हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। अभिभावक दूसरों के बच्चों से तुलना करने लगते हैं, और ये पूरी प्रक्रिया मानसिक उत्पीड़न में बदल जाती है।

स्वास्थ्य का नाम, व्यापार का काम

अब अगर शिक्षा में ये स्थिति है, तो स्वास्थ्य क्षेत्र उससे भी भयावह है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स का ढांचा अब इलाज से ज्यादा कमाई पर केंद्रित हो गया है। अस्पताल में घुसते ही पर्ची कटती है, फिर तरह-तरह की जाँचें, महंगी दवाइयाँ, कैथ, और एडवांस पेमेंट की माँग - और वो भी बिना यह बताए कि मरीज की स्थिति क्या है। सामान्य सर्दी-खांसी या बुखार को भी डॉक्टर ऐसा बताते हैं मानो जीवन संकट में हो। डर दिखाकर लोगों को लंबी दवाओं और भर्ती की सलाह दी जाती है। मरीज ठीक भी हो जाए, तब भी बिल देखकर परिवार बीमार हो जाता है। जो दवा बाहर 10 रुपए में मिलती है, वही अस्पताल के बिल में 200 से 300 रुपए की होती है। यहाँ तक कि मौत के बाद भी लाश को एक-दो दिन रोककर मचुर्री चार्जेस, फ्रीजर चार्जेस आदि के नाम पर अंतिम सांस तक पैसा वसूला जाता है। यह एक क्रूर मजाक है उस परिवार के साथ जो पहले ही अपनों को खो चुका होता है।

सरकार की चुप्पी - क्यों?

इस लूट का सबसे दुखद पहलू यह है कि यह सब किसी को छिपकर नहीं करना पड़ता - सब कुछ खुलेआम होता है। अखबार, सोशल मीडिया, न्यूज चैनल - हर जगह यह मुद्दा उठता है। हर साल प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी और हॉस्पिटल बिलों पर शोर होता है, लेकिन हर बार यह शोर धीरे-धीरे दबा दिया जाता है। क्यों? क्योंकि अधिकतर प्राइवेट स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल - इन सबके पीछे किसी ना किसी नेता का हाथ होता है। चाहे वह सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का - सिस्टम में बैठे अधिकतर लोग कहीं ना कहीं इस खेल में हिस्सेदार होते हैं। नियम-कानून बनते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं होता। आरटीई (शिक्षा का अधिकार कानून), सीजीएचएस (स्वास्थ्य सुविधा योजना), नैशनल मेडिकल काउंसिल - ये सब नाम भर हैं, जिनका प्रयोग प्रचार में होता है, न कि आम आदमी को राहत देने में।

मध्यम वर्ग की त्रासदी

गरीबों के लिए सरकार कभी-कभी योजनाएँ बना देती है, अमीरों को कोई चिंता नहीं, लेकिन सबसे ज्यादा पिसता है मध्यम वर्ग। न उसे सरकारी स्कूल में भेजना गवारा होता है, न सरकारी अस्पताल में जाना। मजबूरी में वह प्राइवेट विकल्प चुनता है, और फिर उसी जाल में फँस जाता है - एक ऐसा जाल जिसमें न कोई नियंत्रण है, न कोई जवाबदेही। मध्यम वर्ग न तो सड़क पर उतरता है, न ही आंदोलन करता है। वह हर महीने अपनी जेब काटकर एटक देता है, स्कूल की फीस चुकाता है, हॉस्पिटल के बिल भरता है, और बस यही सोचता है - और कोई रास्ता भी तो नहीं है।

समाधान की संभावनाएँ

अगर वास्तव में इस समस्या से निपटना है, तो कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। निजी संस्थानों की पारदर्शिता - स्कूलों और अस्पतालों को अपने शुल्क और सेवाओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर लगानी चाहिए। एक स्वतंत्र नियामक संस्था होनी चाहिए जो फीस और सेवा की गुणवत्ता की निगरानी करे। एक ऐसी प्रणाली जहां आम नागरिक अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसका समाधान समयबद्ध तरीके से हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी राजनीतिक व्यक्ति या उनके परिवार का हित इन संस्थानों से ना जुड़ा हो। जब तक आम जनता एकजुट होकर आवाज नहीं उठाएगी, तब तक यह लूट का सिलसिला चलता रहेगा। शिक्षा और स्वास्थ्य कोई सेवा नहीं रह गई है - यह अब एक सर्विस है, जिसका मूल्य तय होता है आपकी जेब देखकर। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील और लोकतांत्रिक समाज के लिए शर्मनाक है। जब तक हम खुद नहीं जागेंगे, आवाज नहीं उठाएंगे, और सिस्टम से जवाबदेही नहीं माँगेंगे - तब तक यह प्राइवेट सिस्टम हमें ऐसे ही लूटता रहेगा। हमें यह समझना होगा कि दिखावे की दौड़ में शामिल होकर हम अपने बच्चों का बचपन, अपने परिवार की शांति, और अपने भविष्य की स्थिरता दाँव पर लगा रहे हैं। यह समय है सवाल पूछने का, व्यवस्था को आईना दिखाने का - वरना जेब तो जाएगी ही, आत्मसम्मान भी खो जाएगा।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

करणी सेना की सांसद और सरकार को चुनौती

हाल ही में आगरा में आयोजित राणा सांगा रक्त स्वाभिमान सम्मेलन और उससे पूर्व निकाली गई करणी सेना की रैली ने जिस तरह से स्थानीय प्रशासन, सांसद और पुलिस प्रशासन को खुलेआम हथियारों का प्रदर्शन कर चुनौती दी। उसने देशभर की राजनीतिक और सामाजिक चेतना को झकझोर कर रख दिया है।

सनत जैन
लेखिका
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

यह आयोजन समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा संसद में दिए गए कथित बयान के विरोध में हुआ। जिसे राजपूत समाज ने अपने स्वाभिमान पर आघात माना है। रैली में प्रयोग की गई भाषा, बयानबाजी और सांसद के खिलाफ खुलेआम दी गई धमकियाँ इशारा करती हैं, कि असहमति अब लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मयार्दाओं में नहीं बल्कि भीड़तन्त्र और भावनाओं की उग्रता को हथियारों के साथ सडकों पर व्यक्त की जा रही है। ह्यमुंह फाड़ के माफी मंगवाई जाएगीह्व जैसे शब्द न केवल संविधान की गरिमा को ठेस पहुँचाते हैं बल्कि सरकार और प्रशासन को चुनौती देते हुए नजर आ रहे हैं। इससे लोकतंत्र की जड़ों को भारी क्षति पहुँचती है। कानून व्यवस्था अब भीड़ तंत्र के अनुसार चलेगी ऐसा दिखने लगा है। यह चिंता का विषय है। किसी भी समाज मे भावनाओं की आड़ लेकर धार्मिक, राजनीतिक या सामाजिक संगठन सरकार और संसद को चुनौती देने का साहस कर रहे हैं। क्या यह किसी एक समुदाय का गुस्सा है या फिर भीड़ तंत्र के सहारे यह सत्ता और व्यवस्था को दबाव में लेने की एक सोची-समझी रणनीति है? जिला प्रशासन की सतर्कता, तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था और हर स्तर पर निगरानी व्यवस्था की बात तो कर रहा है। लेकिन जिस तरह से खुलेआम सड़कों पर हथियारों के साथ जिस भाषा का प्रयोग एक सांसद और एक राजनीतिक दल के बारे में किया जा रहा है। वह भारत की कानून व्यवस्था का खुले आम उल्लंघन है। पुलिस द्वारा समय रहते कोई कार्रवाई नहीं किया जाना, इस ओर इशारा करता है, कि कहीं ना कहीं आंदोलनकारी भीड को सरकार और प्रशासन का समर्थन और सहयोग प्राप्त है। ऐसे उग्र आयोजनों को केवल कानून-व्यवस्था के चश्में से नहीं देखा जाना चाहिए। इसके पीछे की सामाजिक, राजनीतिक और वैचारिक प्रवृत्तियों को भी समझा जाना वर्तमान स्थिति को देखते हुए जरूरी हो गया है। सरकार और संसद को चाहिए कि वह इस मामले को नजरअंदाज करने के स्थान पर कठोर कार्रवाई करें। दो टूक, स्पष्ट नीति को अपनाएं। यदि सांसद का बयान अनुचित था, तो उस पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। किसी भी संगठन या भीड़ को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति एवं स्वाभिमान का मौलिक अधिकार सभी नागरिकों के पास समान रूप से है। वह संविधान के अनुच्छेदों के अंदर रहकर ही सुरक्षित रह सकता है। हर असहमति सड़कों पर भीड़ और धमकी में तब्दील होने लगेगी, तो यह संस्कृति लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए अत्यंत घातक होने का संकेत हैं। अब समय आ गया है। लोकतंत्र की गरिमा और सार्वजनिक संवाद की मयार्दा को बनाए रखने के लिए सभी पक्ष संयम, संवाद और संविधान का मार्ग अपनाएं। इसमें प्रशासन और न्यायपालिका की जिम्मेदारी सबसे बड़ी है। जिन संस्थाओं के ऊपर यह जिम्मेदारी है यदि वह ठीक तरीके से काम नहीं कर रही हैं। यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। न्याय पालिका की अनदेखी तथा न्याय पालिका के ऊपर सरकारी दबाव के कारण अराजकता की स्थिति पैदा हो रही है। वर्तमान में जो हालात बने हैं, वह 1947 में जिस तरह से स्वतंत्रता के पश्चात हालात बने थे। ठीक उससे मिलते-जुलते हैं। ऐसे समय पर न्याय पालिका को स्वयं संज्ञान लेकर शासन और प्रशासन की जिम्मेदारी तय करनी होगी। आम नागरिकों को संविधान प्रदत्त अधिकारों की सुरक्षा करने का संवैधानिक दायित्व संविधान ने न्यायपालिका को दिया है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए न्यायपालिका की भूमिका अति महत्वपूर्ण हो गई है। न्यायपालिका ही नागरिक अधिकारों की रक्षा कर सकती है। न्याय पालिका के लिए यही राष्ट्र और समाज के प्रति दायित्व है। आशा है न्यायपालिका इस मामले में निराश नहीं करेगी।

नर और नारी एक समान दरिंदो से सावधान...

संजय गोस्वामी | लेखक

नर और नारी एक समान दरिंदो से सावधान रहिये क्योंकि ऐ एक गलत और क्राइम का विचार है जो किसी के लिए भी हो सकता है किसी भी देश का अपना इतिहास होता है,और अपनी परम्परा होती है। यदि देश को शरीर माने तो संस्कृति उसकी आत्मा है। किसी भी संस्कृति में आदर्श होते हैं, मूल्य होते हैं। इन मूल्यों की संवाहक संस्कृति होती है। अपराध कोई भी करे वो अपराध ही है चाहे वो पुरुष करे या महिला, पंडित राम कृष्ण शर्मा आचार्य कहते हैं नर और नारी आप बदलोगे तो विचार बदलेगा आपके संस्कार मिडिया ना तो किसी की वकालत करती है ना कोई भ्रम फैलाती है वो जो कहती है उसके आधार होता है तथ्यों पर आधारित होता है और उसके कोर्ट के भी सबूत रहते हैं बहुत से घटना तो उजागर होता ही नहीं बहुत पहले मेरा एक मित्र था जो किसी सरकारी संस्थान में टेक्निकल पद पर था और उसकी पत्नी मैट्रिक पास उसने उसको पढ़ाया बीऐड कराया और टीचर में नौकरी मिली और मुझे उसकी खुशी में ऐसा लगा कि वो अपनी खुशी जाहिर कर रहा है लेकिन बाद में टीचर की नौकरी के बाद उसने अपने पति पर बात बात में गुस्सा करने लगी और उसका किसी और के साथ सम्बन्ध बन गया और तलाक ले ली वो बन्दा इतने सदमे में चला गया जैसे लगा उससे सब कुछ छीन गया और रोने लगा और ड्रेप्रेस हो गया पत्नी छोड़ कर भाग गई एक उसका बच्चा भी था उसे भी अपने पास रख लिया वह अकेले ही रहने लगा एक दो बार आत्महत्या की कोशिश भी की और असफल रहा मैंने उसे समझाया देखो ऐ दुनिया मतलबी है...

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

तुम अपना जीवन क्यों बर्बाद कर रहें हो तुम भी शादी कर एक नए जीवन की शुरूआत करो और मस्त रहो जो जैसा करे तुम भी वैसा करो मोह छोड़ो तुम्हारे पास दो ही रास्ता है या तो सबकुछ छोड़ कर भगवान के ध्यान में लीन हो जाओ या फिर संस्कार की चिंता है तो ताली दोनों हाथ से बजनी चाहिए घर एक बार टूट गया है तो दोबारा बसा सकते हो बस उसका नाम अपने दिमाग से मिटा दो और दूसरी शादी कर किसी गरीब लड़की को अपना लों और घर बस जायेगा लेकिन उसके दिमाग में उसका भूत सवार था जब तक मैं वहाँ था उसे समझाया और चाणक्य नीति अपनाओं लेकिन जब मै किसी काम से कहीं बाहर गया तो उसने कुएँ में कूद कर जान दे दी और तब मुझे बहुत दुःख हुआ सच सच ही होता है मानवता आनी चाहिए अगर आप भारतीय संस्कृति को अपना रहें हैं तो पालन भी करना चाहिए जिसमें में 4 बातें प्रमुख हैं– धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह बात अलग है कि पाश्चात्य संस्कृति में अर्थ और काम की प्रमुखता है। सादा जीवन उच्च विचार हमारी संस्कृति की परम्परा समझी जाती थी परन्तु आधुनिकता की अंधी दौड़ एवं पाश्चात्य संस्कृति का जीवन में प्रवेश होने से वह परिभाषा कहाँ चली गई पता ही नहीं। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा रचित मूकमाटी महाकाव्य में वह परिभाषा हमें मिलती हैं–

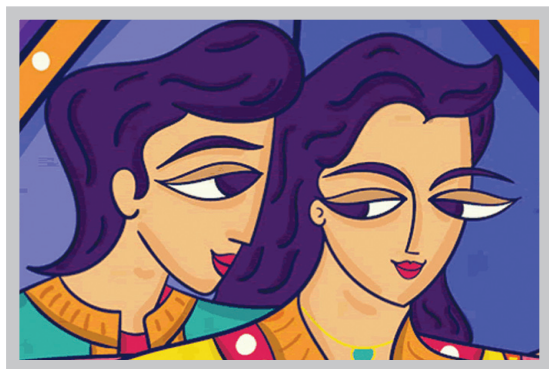

इस युग के दो मानव अपने को खोना चाहते हैं एक भोग रोग मद्यपान को चुनता है और एक योग त्याग आत्मध्यान को धुनता है। कुछ ही क्षणों में दोनों होते विकल्पों से मुक्त फिर क्या कहना एक शव के समान निरा पड़ा है और एक शिव के समान खरा उतरा है। सच यही है वे दोनों संस्कृतियाँ जिनमें से हमें क्या चुनना है यह हमारे ऊपर निर्भर है। वर्तमान में सामाजिक बदलाव को देखकर ऐसा लगने लगा है कि जैसे न ही हमारी संस्कृति रह गई है न ही हमारी सभ्यता। जहाँ तक सवाल है पश्चिमी सभ्यता का तो हम लोगों ने उन बातों को अपनाया जो भारतीय संस्कृति के प्रतिकूल थीं। जिस भारतीय समाज में हम रहते हैं वहाँ का वातावरण, सभ्यताएँ, मयार्दाएँ नैतिक मूल्य कुछ और ही हैं। ऐसे में जब हम पहनावे में उसकी खुली सोच और खुलेपन का अंधानुकरण करते हैं तो हमारे वातावरण में नग्नता दिखाई देती है। हवा में अजीब-सी गंदगी घुल गई है मानव मस्तिष्क पर विपरीत असर कर रही है बात मैं हवा की नहीं कर रही हूँ। मैं हवा के माध्यम से हमारे चारों ओर के सामाजिक परिवेश की चर्चा कर रहा हूँ। पाश्चात्य से बटोरा है हमने काम–ग्रसित समाज जिसने हमारी भावनाओं को काम के वशीभूत किया है। हमने पाश्चात्य से अतिमहत्वाकांक्षी होने का मन्त्र जिसने हमें हमारे सामाजिक परिवेश में अनुशासनहीन जीवन जीने की ओर अग्रसर किया है जाना है हमने पाश्चात्य से न्यूक्लीयर युक्त समाज में जीवन जीने का तंत्र की ओर बढ़ रहें हैं जिससे रिस्तेदार सही के बजाय गलत मिल रहें है क्योंकि उनका काम है लोगों को बहलाने की लेकिन मन को नियंत्रण करना आपका काम है इससे धन की बहुत मात्रा में अवश्यकता होती है और धन के लालच में गलत काम कर रहें हैं इसलिए आज भाई भाई का माता पिता का बच्चों से सम्बन्ध बनने के बजाये बिगड़ रहा है यदि आप का पोशाक कम पैसे में ही अच्छा हो जाता है तो अधिक पैसे देकर फटे हुए ब्रांडेड जींस पहनकर क्या होगा जब ज्ञान ही होगा तो आपकी अज्ञानी होने पर आपका ही मजाक लोग उड़ा सकते हैं । पैसे ज्यादा कमाए या कम लेकिन बचत कितना कर पाते हैं यही आपकी असली कमाई है पिजा, बर्गर, हॉट डॉग से अच्छा है दो लिट्टी खा लीजिये पेट भी ठीक रहेगा और पैसा भी बचेगा अतः इसपाश्चात्य संस्कृति से बढ़ रहें हैं अपराध किसी भी देश का अपना इतिहास होता है, परम्परा होती है। यदि देश को शरीर माने तो संस्कृति उसकी आत्मा है। किसी भी संस्कृति में आदर्श होते हैं, मूल्य होते हैं। इन मूल्यों की संवाहक संस्कृति होती है। भारतीय संस्कृति में चार मूल्य प्रमुख हैं–धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह बात अलग है कि पाश्चात्य संस्कृति में अर्थ और काम की प्रमुखता है। सादा जीवन उच्च विचार हमारी संस्कृति की परम्परा समझी जाती थी परन्तु आधुनिकता की अंधी दौड़ एवं पाश्चात्य संस्कृति का जीवन में प्रवेश होने से वह परिभाषा कहाँ चली गई पता ही नहीं। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा रचित मूकमाटी महाकाव्य में वह परिभाषा हमें मिलती हैं–इस युग के दो मानव अपने को खोना चाहते हैं एक भोग रोग मद्यपान को चुनता है और एक योग त्याग आत्मध्यान को धुनता है। कुछ ही क्षणों में दोनों होते विकल्पों से मुक्त फिर क्या कहना एक शव के समान निरा पड़ा है और एक शिव के समान खरा उतरा है। सच यही है वे दोनों संस्कृतियाँ जिनमें से हमें क्या चुनना है यह हमारे ऊपर निर्भर है। वर्तमान में सामाजिक बदलाव को देखकर ऐसा लगने लगा है कि जैसे न ही हमारी संस्कृति रह गई है न ही हमारी सभ्यता। जहाँ तक सवाल है पश्चिमी सभ्यता का तो हम लोगों ने उन बातों को अपनाया जो भारतीय संस्कृति के प्रतिकूल थीं। जिस भारतीय समाज में हम रहते हैं वहाँ का वातावरण, सभ्यताएँ, मयार्दाएँ नैतिक मूल्य कुछ और ही हैं। ऐसे में जब हम पहनावे में उसकी खुली सोच और खुलेपन का अंधानुकरण करते हैं तो हमारे वातावरण में नग्नता दिखाई देती है। हवा में अजीब-सी गंदगी घुल गई है मानव मस्तिष्क पर विपरीत असर कर रही है बात मैं हवा की नहीं कर रही हूँ। मैं हवा के माध्यम से हमारे चारों ओर के सामाजिक परिवेश की चर्चा कर रहा हूँ। पाश्चात्य से बटोरा है हमने काम–ग्रसित समाज जिसने हमारी भावनाओं को काम के वशीभूत किया है। हमने पाश्चात्य से अतिमहत्वाकांक्षी होने का मन्त्र जिसने हमें हमारे सामाजिक परिवेश में अनुशासनहीन जीवन जीने की ओर अग्रसर किया है जाना है हमने पाश्चात्य से न्यूक्लीयर युक्त समाज में जीवन जीने का तंत्र की ओर बढ़ रहें हैं जिससे रिस्तेदार सही के बजाय गलत मिल रहें है क्योंकि उनका काम है लोगों को बहलाने की लेकिन मन को नियंत्रण करना आपका काम है इससे धन की बहुत मात्रा में अवश्यकता होती है और धन के लालच में गलत काम कर रहें हैं इसलिए आज भाई भाई का माता पिता का बच्चों से सम्बन्ध बनने के बजाये बिगड़ रहा है यदि आप का पोशाक कम पैसे में ही अच्छा हो जाता है तो अधिक पैसे देकर फटे हुए ब्रांडेड जींस पहनकर क्या होगा जब ज्ञान ही होगा तो आपकी अज्ञानी होने पर आपका ही मजाक लोग उड़ा सकते हैं ।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

राष्ट्र के सजग पथ प्रदर्शक थे डा. आम्बेडकर

बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर हमारे देश के संविधान के निमार्ता ही नहीं अपितु दुनिया के सबसे बड़े राजनेताओं में से एक थे। उनकी दूर दृष्टि, उनके ज्ञान, लोगों को समझने का उनका नजरिया, जाति प्रथा के विरुद्ध उनके तेवर को देखते हुए ही उन्हें भारतीय संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया था। ताकि भारत का संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक हो। आज हम देखते हैं कि बाबा साहेब आम्बेडकर के नेतृत्व में रचित भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र का एक सजग प्रहरी बनकर खड़ा हुआ है। जहां कहीं भी सरकार द्वारा नियम विरुद्ध कुछ किया जाता है तो संविधान उन्हें उनके कर्तव्य पथ की याद दिलाकर सही राह पर चलने की प्रेरणा देता है। भारत का संविधान आज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक माना जाता है जिसका श्रेय बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर को जाता है।

डॉ. भीमराव आम्बेडकर का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है क्योंकि इसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था को आकार देने में मदद की। पुरानी और पुरातन मान्यताओं से प्रगति लाकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था। देश में हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये। बाबा साहेब आम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था। बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव आम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती। भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग आम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.आम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले बनें। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो आम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। आम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था। डा.भीमराव आम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है। जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा.आम्बेडकर को देश का पहला कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.आम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

रमेश सर्राफ धमोरा
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

शुद्ध भक्त सर्वोत्तम...

निर्विशेषवादी के लिए ब्रह्मभूत अवस्था अर्थात ब्रह्म से तदाकार होना परम लक्ष्म होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्रह्मभूत या ब्रह्म से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेर या परब्रह्म से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहीं कर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है।

देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुख नहीं रह जाता। चूंकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से सेवारत जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूंकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है। वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकट? या तिरोधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं। यह ब्रह्मभूत अवस्था है, जिसे शुद्ध भक्त सरलता से प्राप्त कर लेता है। उस अवस्था में स्वर्ग प्राप्त करने का विचार मृगतृष्णा और इन्द्रियां विषदंतविहीन सर्प की भांति प्रतीत होती हैं। जिस प्रकार विषदंतविहीन सर्प से कोई भय नहीं रह जाता उसी प्रकार स्वतः संयमित इन्द्रियों से कोई भय नहीं रह जाता। भक्त के लिए समग्र जगत वैपुंठ तुल्य होता है। ब्रह्मांड का महान से महानतम पुरुष भी भक्त के लिए क्षुद्र चींटी से अधिक महत्वपूर्ण नहीं होता।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

सेंसेक्स की प्रमुख पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 84,559 करोड़ बढ़ा

मुंबई ■

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 84,559.01 करोड़ रुपये हो गया। सबसे अधिक लाभ में हिंदुस्तान यूनिलीवर रही। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस और आईटीसी का बाजार पूंजीकरण बढ़ गया, वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इन्फोसिस के मूल्यांकन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 28,700.26 करोड़ रुपये बढ़कर

5,56,054.27 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सप्ताह के दौरान 19,757.27 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण 16,50,002.23 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। अआईटीसी की बाजार हैसियत 15,329.79 करोड़ रुपये बढ़कर 5,27,845.57 करोड़ रुपये पर और बजाज फाइनेंस की 12,760.23 करोड़ रुपये बढ़कर 5,53,348.28 करोड़ रुपये हो गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 8,011.46 करोड़ रुपये बढ़कर 10,02,030.97 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के ?विपरीत टीसीएस का मूल्यांकन 24,295.46 करोड़ रुपये घटकर 11,69,474.43 करोड़ रुपये रह गया। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 17,319.11 करोड़ रुपये घटकर 5,85,859.34 करोड़ रुपये पर आ गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 12,271.36 करोड़ रुपये घटकर 6,72,960.97 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक का 8,913.09 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 9,34,351.86 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 7,958.31 करोड़ रुपये घटकर 13,82,450.37 करोड़ रुपये रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही।

स्टील और एल्युमिनियम के आयात पर मिल सकती है अमेरिकी टैरिफ से राहत!

नई दिल्ली ■

भारत से इस्पात और एल्युमीनियम के आयात पर अमेरिकी अधिकारियों ने टैरिफ लगाने का फैसला किया है। अब नई दिल्ली ने विश्व व्यापार संगठन के सुरक्षा समझौते के तहत यूएस के साथ परामर्श की मांग की है। डब्ल्यूटीओ ने एक सूचना में भारत की तरफ से अमेरिका के साथ परामर्श मांगे जाने की जानकारी दी है। 8 मार्च, 2018 को अमेरिका ने कुछ इस्पात और एल्युमीनियम उत्पादों पर क्रमशः 25 प्रतिशत और 10 प्रतिशत टैरिफ लगाकर सुरक्षा उपाय लागू किए थे। यह व्यवस्था 23 मार्च, 2018 से लागू हुई थी।

इस साल 10 फरवरी को अमेरिका ने इस्पात और एल्युमीनियम वस्तुओं के आयात पर अपने सुरक्षा उपायों में बदलाव कर दिया। नए उपाय 12 मार्च, 2025 से प्रभावी और असीमित अवधि के लिए हैं। डब्ल्यूटीओ ने कहा कि इस मांग को भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अपील पर प्रसारित किया जा रहा है। इसमें कहा गया कि अमेरिका ने भले ही इसे सुरक्षा के लिए उठाया गया कदम बताया है लेकिन मूल रूप से ये रक्षात्मक उपाय हैं।

रोज वैली पोंजी घोटाले में निवेशकों को बड़ी राहत, 7.5 लाख लोगों को सरकार देगी 515 करोड़

नई दिल्ली ■

रोज वैली पोंजी घोटाले में ठगे गए लाखों निवेशकों को बड़ी राहत मिली है। भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने 515.31 करोड़ रुपये की राशि का डिमांड ड्राफ्ट रिटायर्ड जस्टिस दिलीप कुमार सेठ को सौंपा, जो एसेट डिस्पोजल कमेटी के चेयरमैन हैं। ये कमेटी घोटाले में फंसे निवेशकों को उनका पैसा लौटाने के लिए बनाई गई है। इस राशि से करीब 7.5 लाख लोगों को उनका पैसा वापस मिलेगा। इससे पहले भी एडीसी को 22 करोड़ रुपये दिए गए थे, जिससे 32,319 निवेशकों को पैसा लौटाया गया था।

ईडी ने 2015 से 2017 के बीच रोज वैली ग्रुप की मनी ट्रेल को ट्रैक करते हुए 2,987 बैंक अकाउंट्स का पता लगाया, जिनमें ठगी से कमाया

गया पैसा जमा किया गया था। इन अकाउंट्स को सीज करके उनसे करीब 700 फिक्स्ड डिपॉज़िट (एफडी) बनाए गए। इन एफडीज की वैल्यू 515.31 करोड़ रुपये है, जो अब निवेशकों को लौटाई जा रही है। इसके अलावा ईडी ने रोज वैली ग्रुप की 1,172 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियां भी अटैच की हैं, जिनकी मौजूदा मार्केट वैल्यू 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जा रही है। इन संपत्तियों को भी जल्द बेचकर पीड़ितों को पैसा लौटाया जाएगा। ईडी की जांच में पता चला है कि रोज वैली ग्रुप ने 17,520 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। कंपनी ने गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को जमीन देने, होटल में टाइम शेयरिंग या ज्यादा ब्याज के वादे करके पैसे इकट्ठे किए थे। लेकिन कई मामलों में ना तो जमीन मिली, ना ही पैसा वापस मिला। इसमें से 6,666 करोड़ रुपये अब भी निवेशकों को नहीं लौटाए गए हैं। रोज वैली घोटाले की जांच धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत चल रही है। अभी तक पांच केस दर्ज किए गए हैं जिनमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और त्रिपुरा शामिल हैं। ईडी की मदद से एसेट डिस्पोजल कमेटी अब तेजी से संपत्तियों की वैल्यूएशन, सर्वे और मोनेटाइजेशन कर रही है ताकि पैसा जल्द से जल्द निवेशकों को लौटाया जा सके। अब तक करीब 31 लाख लोगों ने क्लेम रजिस्टर करवाया है। रिफंड की प्रक्रिया आने वाले महीनों में और तेज होने की उम्मीद है।

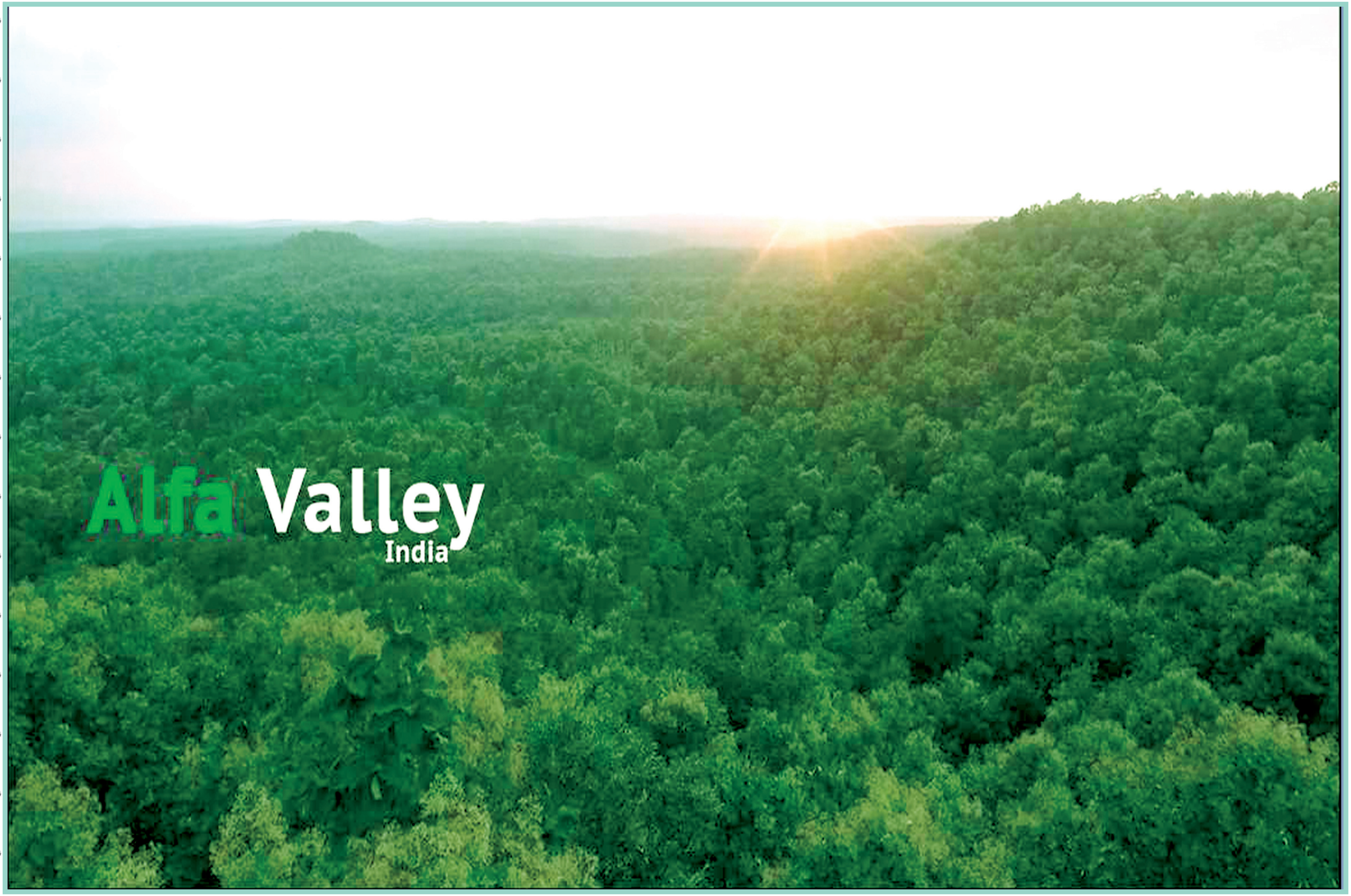

Alfa Valley
India

काशी की कशिश के दोहरी पट दांव की काट नहीं ढूंढ सकीं आस्था

वाराणसी ■ एजेंसी

काशी की कशिश के दोहरी पट दांव की काट जौनपुर की आस्था सिंह नहीं ढूंढ सकीं और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। कशिश ने मुकाबला 12-2 के स्कोर से जीत लिया। महिला वर्ग की राष्ट्रीय खिलाड़ी कशिश ने एक माह में तीन मुकाबले जीतकर अपना दमखम दिखाया। महिला और पुरुष वर्ग में आयोजित प्रतियोगिता में 80 जोड़ी पहलवानों ने दांव आजमाए। पुरुष वर्ग में सिगरा स्टेडियम के मनीष यादव ने गया सेठ अखाड़े के प्रियांशु को 9-8 के स्कोर से हराया।

फ्री स्टाइल में गया सेठ के नागेश्वर ने बरेली के अर्जुन को 10-6 से, अहरक के अशोक ने नैपुरा अखाड़े के आर्यन 5-2 को, गया सेठ अखाड़े के अंशु ने बरेली के दिलावर को 8-5 से, बरेली के जतिन ने वाराणसी के सर्वेश को 6-5 के स्कोर से हराकर कुश्ती जीत ली। इससे पूर्व प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की संघ के महासचिव सुरेश चंद्र उपाध्याय ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर किया। इस दौरान मुकेश यादव, कल्लू पहलवान, इमरान, रविंद्र मिश्र, रामू पहलवान मौजूद रहे।

चंद्रभान त्रिपाठी स्मृति प्रतियोगिता आज से

पांचवी स्व चंद्रभान त्रिपाठी स्मृति अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता हरिशंकर सिंह स्टेडियम में खेली जाएगी। वाराणसी क्रिकेट एसोसिएशन की इस प्रतियोगिता में 20 अप्रैल तक आठ टीमें खेलेंगी। मुख्य अतिथि उषा सिंह प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगी। उक्त जानकारी बंशीधर त्रिपाठी ने दी है।

सिगरा स्टेडियम में 80 बच्चे ले रहे हैं बैडमिंटन का प्रशिक्षण

सिगरा स्टेडियम में पांच इनडोर बैडमिंटन कोर्ट पर सुबह शाम बालक-बालिका वर्ग के 80 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। स्टेडियम में 100 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। सभी को सुबह छह से नौ बजे और शाम को तीन से छह बजे तक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें 18 वर्ष से कम आयु के बालक बालिका प्रशिक्षण ले रहे हैं। बैडमिंटन कोच श्यामधर ओझा ने सिगरा स्टेडियम में खिलाड़ियों को बैडमिंटन की बारीकियां बताते हुए कहा कि गति और लचीलापन इस खेल में सफलता दिलाने में मददगार होते हैं। बैडमिंटन में प्रवेश लेने की सबसे अच्छी आयु नौ से बारह वर्ष मानी जाती है। इसे बतौर खेल चुनने वाले खिलाड़ी आगे भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं। अच्छा शटलर बनने के लिए प्रतिदिन स्ट्रेंथनिंग के साथ स्ट्रेचिंग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि बैडमिंटन में औसत से अधिक लंबाई भी मददगार साबित होती है।

फाइन आर्ट्स की टीम बनी रस्साकशी की चैंपियन

सुंदरपुर स्थित धीरेंद्र महिला पीजी कॉलेज में शनिवार को शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से अंतर्विभागीय रस्साकशी प्रतियोगिता हुई। इसमें आठ टीमों के करीब डेढ़ सौ खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का फाइनल फाइन आर्ट्स और बीएड की छात्राओं के बीच हुआ। इसमें फाइन आर्ट्स की छात्राओं ने जीत हासिल की। बीएड की टीम दूसरे और बीपीएड की टीम तीसरे स्थान पर रही। प्राचार्या डॉ. नलिनी मिश्रा ने कहा कि जीत-हार से कहीं अधिक प्रतिभाग करना महत्व रखता है। संचालन व धन्यवाद ज्ञापन शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज सिंह ने किया।

मनोरंजन

बॉलीवुड में डेब्यू नहीं करेगी नीसा देवगन

बालीवुड अभिनेता अजय देवगन की बेटी 21 साल की नीसा की गिनती बी-टाउन की चर्चित स्टारकिड्स में होती है और सोशल मीडिया पर उनके स्टाइल और ग्लैमर की काफी चर्चा रहती है। सुहाना खान और खुशी कपूर जैसी स्टार किड्स के डेब्यू के बाद फैंस लगातार यह सवाल कर रहे हैं कि नीसा कब फिल्मी दुनिया में कदम रखेंगी। इन तमाम अटकलों के बीच अब काजोल ने इस पर खुलकर बात की है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान काजोल से जब नीसा के करियर को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि नीसा बॉलीवुड में डेब्यू नहीं करने वाली हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, बिलकुल नहीं। मुझे नहीं लगता कि वो बॉलीवुड डेब्यू करेगी। वह 22 साल की होने वाली है और उसने मन बना लिया है कि वह अभी एक्टिंग की दुनिया में कदम नहीं रखेगी। काजोल के इस बयान ने उन सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है, जिनमें नीसा के एक्टिंग डेब्यू की बात कही जा रही थी। नई पीढ़ी और युवा टैलेंट को सलाह देते हुए काजोल ने यह भी कहा कि हर किसी से करियर की सलाह लेना जरूरी नहीं होता। उन्होंने कहा, जब आप लोगों से पूछेंगे कि क्या करना चाहिए, तो सौ लोग तैयार हो जाएंगे आपको बताने के लिए।

अमेरिका तक जाएगा लोकप्रिय टीवी शो 'अंताक्षरी का सुहाना सफर'

बालीवुड अभिनेता एवं टीवी होस्ट अब्रू कपूर अपने टीवी शो 'अंताक्षरी का सुहाना सफर' को अमेरिका ले जाने के लिए तैयार हैं। इस शो की प्रस्तुति अब अमेरिका में बसे भारतीयों के लिए एक यादगार अनुभव बनने जा रही है, जहां इस शो के छह विशेष संस्करण आयोजित किए जाएंगे। हाल ही में उज्जैन में विक्रमोत्सव 2025 के अवसर पर आयोजित शो में अब्रू कपूर ने 'अंताक्षरी' की एक अनोखी प्रस्तुति दी। पहली बार उन्होंने कार्यक्रम में संस्कृत श्लोकों और हिंदी दोहों को भी जोड़ा, जिसे दर्शकों ने बेहद सराहा। टावर चौक पर हजारों दर्शकों की मौजूदगी में इस नए प्रयोग ने कार्यक्रम को नई ऊंचाई दी। इस आयोजन की संकल्पना और संचालन स्टूडियो रिपयूल के निर्माता कुमार द्वारा किया गया, जो अब अमेरिका में भी इस शो की प्रस्तुति में अहम भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के दौरान जब अब्रू कपूर ने मशहूर गीत दीवाना हुआ बादल गाया और दर्शकों से स्थायी भी गवाया, तो पूरा वातावरण भावनाओं और संगीत से भर गया। यह पल दर्शकों के लिए बेहद खास और भावुक बना। इस आयोजन की सफलता के बाद अमेरिका में होने वाले संस्करण के लिए उत्साह चरम पर है। अब्रू कपूर का मानना है कि अंताक्षरी केवल एक खेल नहीं, बल्कि भारतीय संगीत और परंपरा को जोड़ने वाला माध्यम है। उन्होंने कहा कि अंताक्षरी हर दिल को जोड़ती है और हर पीढ़ी को एक साथ लाने का माध्यम बनती है। उनका कहना है कि संगीत एक ऐसा माध्यम है जो उम्र, भाषा और पीढ़ियों के फासले को मिटा देता है। अमेरिका में आयोजित होने वाले ये शो न केवल मनोरंजन का जरिया होंगे, बल्कि भारतीयता की खुशबू और संगीत की मिठास से वहां बसे लोगों को अपने देश की याद भी दिलाएंगे।

निर्देशक की भूमिका में डेब्यू कर रहे आर्यन खान

बालीवुड सुपर स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान अपने पिता की तरह एक्टर के रूप में नहीं, बल्कि निर्देशक की भूमिका में डेब्यू कर रहे हैं। इस साल उनकी पहली वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड काफी चर्चा में रही है।बीते महीने फरवरी में जब इस सीरीज की पहली झलक सामने आई थी, तब खुद शाहरुख खान भी उसमें नजर आए थे, जिससे फैंस के बीच इसका उत्साह और बढ़ गया था। अब इस बहुप्रतीक्षित सीरीज को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है, जिसके अनुसार बॉबी देओल और राघव जुयाल भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। 'आश्रम' और 'एनिमल' जैसी हिट फिल्मों में खलनायक की भूमिका निभा चुके बॉबी देओल और हाल ही में किल में अपने डरावने किरदार से दर्शकों को चौंका देने वाले राघव जुयाल इस बार कुछ नया करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों इस सीरीज में किसी भी तरह की निगेटिव भूमिका में नहीं नजर आएंगे। सूत्रों के अनुसार, आर्यन खान ने यह फैसला सोच-समझकर और एक रचनात्मक नजरिए से किया है, ताकि इन दोनों अभिनेताओं को उनके अब तक के तयशुदा इमेज से बिल्कुल हटकर पेश किया जा सके। एक करीबी सूत्र ने बताया कि यह कास्टिंग किसी सरप्राइज एलिमेंट से कम नहीं है। बॉबी और राघव ने हाल के प्रोजेक्ट्स में खलनायकों की भूमिका में काफी दमदार छवि बनाई है, लेकिन आर्यन ने उन्हें ऐसे किरदारों में पेश करने का निर्णय लिया है, जो दर्शकों के लिए एकदम नई और अप्रत्याशित होगी, सूत्र ने बताया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इस शो में दोनों कलाकारों के बीच एक अनोखी केमिस्ट्री देखने को मिलेगी, जो अब तक किसी भी फिल्म या सीरीज में नहीं दिखी है। शो की घोषणा नेटफ्लिक्स के एक इवेंट के दौरान हुई थी।

अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान को घर में घुसकर रौंदा, 9 विकेट से जीता मैच

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आईपीएल 2025 का 28वां लीग मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला गया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में आरसीबी ने राजस्थान को घर में घुसकर 9 विकेट से हरा दिया। इससे पहले रजत पीटादीर की कप्तानी वाली आरसीबी ने केकेआर, सीएसके और मुंबई इंडियंस को उनके घर में शिकस्त दी।

मुकाबले में आरसीबी को जीत दिलाने में पहले गेंदबाजों और फिर बल्लेबाजों ने कमाल किया। टीम के लिए फिलिप सॉल्ट ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 33 गेंदों में 5 चौके और 6 छक्कों की मदद से 65 रन बनाए। इसके अलावा कोहली ने नाबाद रहते हुए 45 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 62* स्कोर किए। वहीं बेंगलुरु के लिए गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल, जोश हेजलवुड और क्रुणाल पांड्या ने 1-1 विकेट चटकाया। रन चेज के लिए मैदान पर उतरी ने एकतरफा जीत अपने नाम की। टीम के लिए ओपनिंग पर उतरे फिलिप सॉल्ट और विराट कोहली ने पहले विकेट के लिए 92(52 गेंद) रनों की साझेदारी की। सॉल्ट के विकेट से इस साझेदारी का समापन हुआ। फिर कोहली ने देवदत्त पाडिक्कल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 83(54 गेंद) रनों की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत की लाइन पार करवा दी। इस दौरान पाडिक्कल ने 28 गेंदों में 5 चौके और 1 छक्के की मदद से 40* रन स्कोर किए।

रन चेज में आरसीबी ने किया कमाल

आरसीबी ने टॉस जीतकर किया सही फैसला

मुकाबले में आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया था, जो उनके लिए बिल्कुल सही साबित हुआ। पहले बैटिंग करने उतरी राजस्थान ने 20 ओवर में 173/4 रन बोर्ड पर लगाए। इस दौरान टीम के लिए ओपनिंग पर उतरने वाले यशस्वी जायसवाल ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 47 गेंदों में 10 चौके और 2 छक्कों की मदद से 75 रन स्कोर किए। फिर रन चेज के लिए मैदान पर उतरी आरसीबी ने सिर्फ 17.3 ओवर में 175/1 रन बनाकर जीत अपने नाम कर ली।

चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में आत्मविश्वास की कमी : क्लार्क

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। लगातार हार झेलने के बाद अब टीम के प्लेऑफ में पहुंचने पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार के बाद चेन्नई ने अपने घरेलू मैदान पर सबसे कम स्कोर बनाया और यह उसकी छह मैचों में पांचवीं हार रही। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने टीम के हालिया प्रदर्शन पर अपनी राय रखी है।

क्लार्क ने एक चैनल पर विशेषज्ञ के रूप में कहा कि चेन्नई आत्मविश्वास की कमी से जूझ रही है और मेरा मानना है कि टीम मौजूदा दौर की क्रिकेट की मांग के अनुरूप नहीं खेल रही। क्लार्क ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गलत योजना के साथ मैदान में उतरने की गलती की। पिच बल्लेबाजी के लिए कठिन थी, नई गेंद से हल्की हरकत हो रही थी और स्पिन भी मिल रही थी, लेकिन सीएसके का रवैया बेहद रक्षात्मक नजर आया। क्लार्क ने टीम की मानसिकता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चेन्नई अब सिर्फ हार को कम करने या मैच को खींचने की कोशिश में लगी है। इस सोच से बाहर निकलने की जरूरत है। क्लार्क के मुताबिक, टीम को अब सब कुछ दांव पर लगाकर आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहिए। उन्होंने माना कि लगातार हारने के बाद ड्रेसिंग रूम का माहौल नकारात्मक हो जाता है और वहां से बाहर निकलना आसान नहीं होता। चेन्नई के लिए अब जरूरी है कि वह न केवल रणनीति बदले, बल्कि मानसिकता में भी बड़ा बदलाव लाए।

ओलंपिक चैंपियन लुकास मार्टेंस ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, पॉल बिडरमैन को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। जर्मनी के लुकास मार्टेंस ने स्विम ओपन स्टॉकहोम में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल में एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। ओलंपिक चैंपियन मार्टेंस ने यह स्पर्धा तीन मिनट 39.96 सेकेंड में पूरी की जिससे वह तीन मिनट 40 सेकेंड के बैरियर को तोड़ने वाले पहले तैराक बन गए। इस तरह उन्होंने यह खास उपलब्धि अपने नाम कर ली। 23 वर्षीय मार्टेंस ने 2024 पेरिस ओलंपिक में 3:41.78 के समय के साथ 400 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीता था। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार उन्होंने इस तरह 2009 में जर्मनी के साथी पॉल बिडरमैन द्वारा बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को 0.11 सेकेंड तोड़ दिया।

अभिषेक की पारी देखकर हैरान हुए युवराज सिंह

हैदराबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आतिशी पारी खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। अभिषेष ने इस सत्र में शुरुआती मैच में असफल होने के बाद 141 रनों की शतकीय पारी के साथ जबरदस्त वापसी कर अपनी टीम को जीत दिलाया है। युवराज अभिषेक के मेंटोर रहे हैं, ऐसे में अपने शिष्य की इस पारी को देखकर वह खुश होने के साथ ही हैरान भी हैं। अभिषेक ने अपनी इस पारी में केवल 55 गेंदों पर ही 141 रन बना दिये थे।

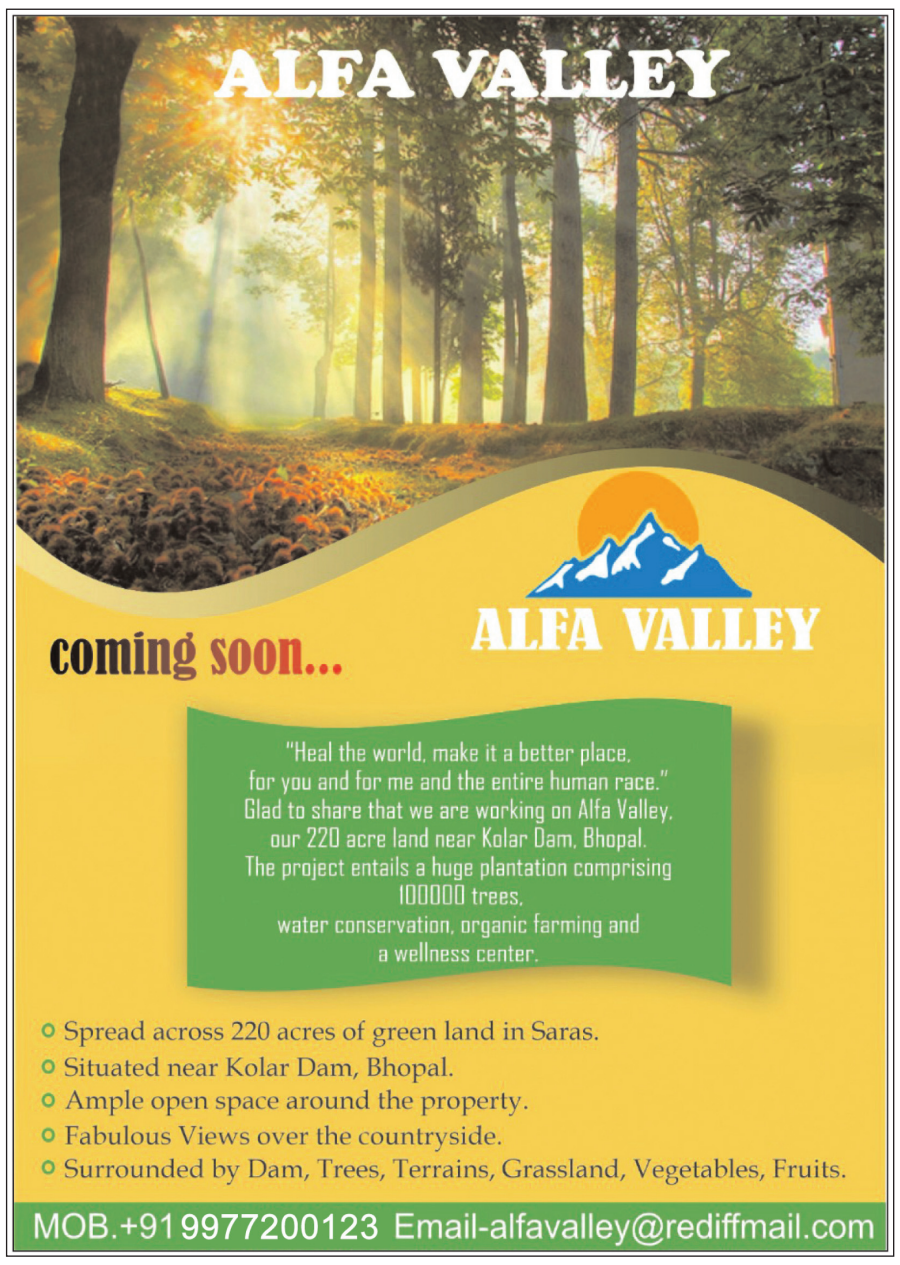

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन** *(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com